www.tamsasanket.com
वर्ष: 30 || अंक 297 || अम्बेडकरनगर
गुरुवार
22 जनवरी 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:58
सूर्यास्त: 05:43
अधिकतम: 22:00
न्यूनतम: 11:00

पेज 07

विशेष समाचार एनएसए अजीत डोभाल ने... >>पेज 04 | मेरठ के उजैद का आतंकी... >>पेज 06 | सात समंदर पार बैठकर इस...

एएसपी पर एफआईआर का आदेश देने वाले सीजेएम के ट्रांसफर पर विरोध-प्रदर्शन

संभल में भड़के वकील

फेरबदल

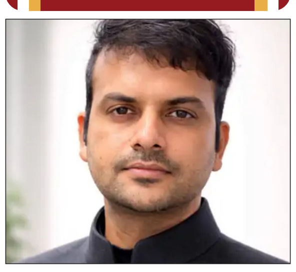

आदित्य सिंह ने संभल के विवादित धार्मिक स्थल श्री हरिहर मंदिर बनाम शाही जामा मस्जिद दावे पर सर्वे के आदेश दिए थे।

सीओ अनुज चौधरी को प्रमोट कर एएसपी बनाया गया था। वह इस समय फिरोजाबाद में तैनात हैं।

> एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा था हिंसा की ज्यूडिशियल इन्क्वायरी हो चुकी है। इसलिए ये एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी। हम कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील करेंगे।

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार की शाम बड़ा फेरबदल किया। 14 जजों के तबादले कर दिए हैं। लिस्ट में तीन जिला जज स्तर के अधिकारी भी शामिल हैं। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल सर्विसेज रजनीश कुमार की ओर से लिस्ट जारी की गई है।

लिस्ट में चौंकाने वाला नाम संभल के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) विभांशु सुधीर का है। विभांशु ने 9 जनवरी को ASP अनुज चौधरी समेत 20 पुलिसकर्मियों पर FIR दर्ज करने के आदेश दिए थे। >> (शेष पेज 06 पर)

'सत्य ट्रांसफर नहीं होता'

उत्तर प्रदेश के संभल हिंसा मामले में एएसपी अनुज चौधरी और इंस्पेक्टर अनुज तोमर समेत 15 से 20 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश देने वाले मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) विभांशु सुधीर का तबादले का आदेश देने के बाद स्थानांतरण कर दिया गया है. उन्हें अब संभल से सुल्तानपुर भेजा गया है. इस आदेश को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने X पर पोस्ट किया है. अखिलेश ने कहा, 'सत्य स्थानांतरित नहीं होता, उसका स्थान अचल है. न्यायपालिका की स्वतंत्रता का हनन सीधे-सीधे लोकतंत्र का हनन है. स्वतंत्र न्यायपालिका ही संविधान की अभिभावकीय सुरक्षा कर सकती है.'

सीजेएम विभांशु ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ कई आदेश दिए

CJM विभांशु सुधीर ने 24 दिसंबर, 2025 को संभल में फर्जी मुठभेड़ के मामले में तत्कालीन इंस्पेक्टर पंकज लवानिया सहित 13 पुलिसकर्मियों पर FIR का आदेश दिया था। इनमें घटना के समय तैनात रहे 2 इंस्पेक्टर, 4 दरोगा और सिपाही शामिल थे। कोर्ट ने थाना बहजोई के थानाध्यक्ष को निर्देश दिए कि तत्काल मुकदमा दर्ज कर 3 दिनों के अंदर कोर्ट में रिपोर्ट सौंपें।

थाना बहजोई क्षेत्र में 7 जुलाई 2022 को मुठभेड़ के दौरान ओमवीर, धीरेंद्र और अवनेश को गिरफ्तार किया गया था। ओमवीर ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत वाद में तत्कालीन सीओ गोपाल सिंह को फर्जी मुठभेड़ का आरोपी बताया था। अदालत ने आदेश दिया कि इस मामले में उन्हें शामिल न किया जाए।

संभल हिंसा के मामले में एएसपी अनुज चौधरी सहित कुछ अन्य पुलिसकर्मियों पर एफआईआर का आदेश देने वाले मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का ट्रांसफर हो गया है।

राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज

अदालती आदेश के सामने आते ही जिले में राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई थी. संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि पुलिस इस आदेश के तहत मुकदमा दर्ज नहीं करेगी. साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया था कि इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जाएगी और इसके खिलाफ अपील दायर की जाएगी।

अनुज चौधरी पर एफआईआर का आदेश देने वाले जज के तबादले पर बोले अखिलेश यादव

तबादले ने लिया नया मोड़

अब CJM विभांशु सुधीर के तबादले ने पूरे प्रकरण को एक नया मोड़ दे दिया है. उनके ट्रांसफर के बाद फैसले के समय और परिस्थितियों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं. भले ही प्रशासन इसे सामान्य तबादला प्रक्रिया बता रहा हो, लेकिन इस कदम पर कई सवाल भी उठ रहे हैं।

'विकसित भारत' के लक्ष्य में विधायिकाओं की भूमिका अहम

86वाँ अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन लखनऊ में संपन्न

समापन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान भवन, लखनऊ में 19 से 21 जनवरी, 2026 तक आयोजित 86वाँ अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन आज लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के समापन भाषण के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन के समापन सत्र में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, राज्य सभा के माननीय उपसभापति, उत्तर प्रदेश विधान परिषद के माननीय सभापति एवं उत्तर प्रदेश विधान सभा के माननीय अध्यक्ष ने अपने विचार व्यक्त किए। अपने समापन भाषण में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि विधायिका को अधिक प्रभावी, जनोपयोगी और उत्तरदायी बनाने के लिए एक 'राष्ट्रीय विधायी सूचकांक' तैयार किया जाएगा, जिससे देशभर के विधानमंडलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, संवाद की गुणवत्ता और कार्यकुशलता में वृद्धि हो सके। उन्होंने इस संबंध में एक समिति के गठन की जानकारी भी दी। >> (शेष पेज 06 पर)

प्रति वर्ष न्यूनतम 30 बैठकें सुनिश्चित

श्री बिरला ने कहा कि राज्य विधान मंडलों में प्रति वर्ष न्यूनतम 30 बैठकें सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि विधानमंडल जनता की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का एक प्रभावी मंच बन सकें। उन्होंने कहा कि सदन जितना अधिक चलेगा, उतनी ही अधिक सार्थक, गंभीर और परिणामोन्मुख चर्चा संभव होगी।

बजट सत्र से पहले लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने सभी दलों के नेताओं व सदस्यों से सदन को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग देने की अपील की नियोजित गतिरोध पर चेताया

- लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने समापन सत्र को किया संबोधित
- वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य में विधायिकाओं की भूमिका महत्वपूर्ण
- विधायिका को अधिक प्रभावी और जनोपयोगी बनाने के लिए 'राष्ट्रीय विधायी सूचकांक' तैयार किया जाएगा

\- लोक सभा अध्यक्ष

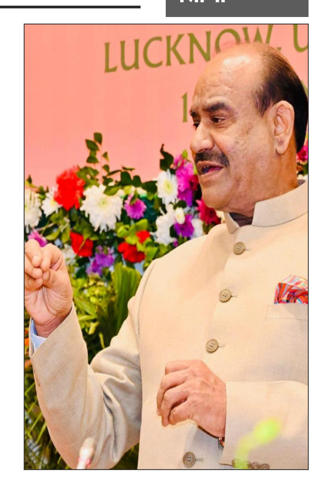

फास्ट न्यूज

सुनीता विलियम्स 27 साल बाद रिटायर

नई दिल्ली । भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने मंगलवार को कहा, इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ (स्पेस रेस) चल रही है। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए।

बयान तंज

लालच की महामारी पूरे भारत में फैल गई

नई दिल्ली । राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि देश भर में लालच की महामारी फैल चुकी है। इसका सबसे भयावह चेहरा शहरी बदहाली के रूप में सामने आ रहा है। लोगों को सरकार से जवाबदेही की मांग करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता और बड़े कॉरपोरेट घरानों के बीच सांठगांठ के कारण लोकतंत्र की मूल भावना कमजोर हो रही है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब सवाल पूछे जाएंगे। राहुल ने यह टिप्पणी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट में की। राहुल ने मीडिया रिपोर्ट का वीडियो भी साझा किया, जो कथित तौर पर दिल्ली के मुबारकपुर डाबस स्थित शर्मा एन्क्लेव का है।

पाकिस्तान ने कुपवाड़ा बॉर्डर पर 2 राउंड फायरिंग की

कुपवाड़ा । जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) पर पाकिस्तान की ओर से मंगलवार देर रात 2 राउंड फायरिंग की गई। सेना के सूत्रों के मुताबिक 6 राष्ट्रीय राइफल्स के जवान केरन सेक्टर में हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगा रहे थे। इसी दौरान फायरिंग हुई।

ग्रीनलैंड चाहिए पर ताकत इस्तेमाल नहीं करेंगे : ट्रम्प

यूरोप हमें एक बर्फ का टुकड़ा नहीं दे रहा, डेनमार्क एहसान फरामोश

भाषण

तमसा संकेत, एजेंसी

दावोस । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर कब्जे के प्लान को दुनिया के सामने सही ठहराया है। उन्होंने बुधवार को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) में कहा कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा अमेरिका के अलावा कोई और देश नहीं कर सकता। हालांकि पहली बार ट्रम्प ने यह कहा कि ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए अमेरिका ताकत का इस्तेमाल नहीं करेगा। इस पर कब्जे का विरोध करने के लिए उन्होंने डेनमार्क को अहसान फरामोश कहा। उन्होंने शिकायती लहजे में कहा कि वे बस एक बर्फ का टुकड़ा चाहते हैं जिसे यूरोप देने को तैयार नहीं है। >> (शेष पेज 06 पर)

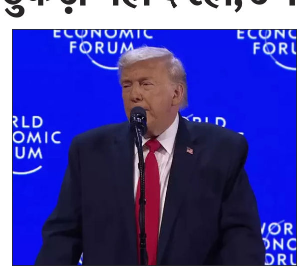

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प दावोस में दुनिया को संबोधित कर रहे हैं।

हमारे अलावा कोई इसकी हिफाजत नहीं कर सकता

अमेरिका के अलावा कोई भी देश ग्रीनलैंड की रक्षा नहीं कर सकता। दूसरे विश्व युद्ध में जब जर्मनी ने डेनमार्क पर कब्जा किया था, तब अमेरिका ने ही ग्रीनलैंड की सुरक्षा की थी। अमेरिका ने ग्रीनलैंड डेनमार्क को वापस कर दिया, यह अमेरिका की बड़ी गलती थी।

दूसरे विश्व युद्ध में डेनमार्क सिर्फ छह घंटे में जर्मनी से हार गया था। अमेरिका ने उसकी रक्षा की। >> (शेष पेज 06 पर)

माघ मेला प्राधिकरण को अविमुक्तेश्वरानंद ने अंग्रेजी में चिट्ठी लिखकर दिया जवाब

'हां मैं हूं शंकराचार्य'

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । माघ मेला प्राधिकरण की तरफ से स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को मंगलवार को नोटिस भेजा गया था. नोटिस में कहा गया है कि था कि आप कैसे खुद को ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं. जबकि यह मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में है. वहीं अब मेला प्राधिकरण के इस नोटिस का स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की तरफ से जवाब दिया गया है. यह जवाब 8 पन्नों का है.

अविमुक्तेश्वरानंद की तरफ से जवाब मेला प्राधिकरण की मेल आईडी से लेकर सेक्टर-4 में बने मेला प्राधिकरण के दफ्तर को तक भेज दिया गया है. जिस वक्त अविमुक्तेश्वरानंद की टीम मेला प्रशासन को नोटिस देने कार्यालय में गई। >> (शेष पेज 06 पर)

- पीएन मिश्रा ने कहा कि वासुदेवानंद ने गलत एफिडेविट देकर ऑर्डर लिया था जिस पर याचिका फाइल की जा चुकी है.
- हमने इस नोटिस के जवाब में स्वामी अवमुक्तेश्वरानंद की तरफ से जवाब भेज दिया है. जिन अफसरों ने नोटिस देकर भ्रम खड़ा किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी

सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील की तरफ से भेजा गया है जवाब

प्रयागराज माघ मेला प्राधिकरण को जवाब सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील अंजनी कुमार मिश्रा की तरफ से भेजा गया है. जिसमें मेला प्राधिकरण के भेजे गए नोटिस को अपमानजनक के साथ-साथ इसे करोड़ों हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ करने वाला भी बताया गया है।

वहीं इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के वकील पीएन मिश्रा ने अविमुक्तेश्वरानंद की तरफ से जवाब देते हुए कहा गया कि जो सिविल अपील का हवाला दिया गया उसमें 14 अक्टूबर 2022 में आदेश दिया गया था. जिसका हवाला प्रशासन दे रहा है. उसके पहले 21 सितंबर 2022 का ऑर्डर है. जिसके ऑर्डर में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य बताया गया था।

कार्रवाई : अयोध्या रोड पर अतिक्रमण हटाने के नाम पर व्यवस्थित नहीं तैयारी, आर्थिक नुकसान की हवा

बुलडोजर अभियान से छोटे दुकानदारों में हाहाकार

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। शहर में बुधवार को नगर पालिका प्रशासन ने अयोध्या रोड पर अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चलाया, लेकिन इस कार्रवाई का सीधा असर गरीब दुकानदारों और छोटे व्यापारियों पर पड़ा।

अयोध्या रोड पर स्थित अधिकांश दुकानों के मालिक मध्यम या गरीब वर्ग से हैं। बुलडोजर और जेसीबी की मदद से किए गए अतिक्रमण हटाने के दौरान कई व्यापारियों ने अपनी कई महीनों की मेहनत से जमा की गई सामग्री खो दी। कई दुकानों की खिड़कियां, छज्जे और अस्थायी टीनशेड भी तोड़े गए। दुकानदारों का कहना है कि प्रशासन ने उन्हें कार्रवाई से पूर्व पर्याप्त सूचना नहीं दी और न ही किसी प्रकार का विकल्प या स्थान उपलब्ध कराया गया। अभियान के दौरान अयोध्या रोड पर कई दुकानों पर बने टीनशेड और अस्थायी छज्जों को भी हटाया गया। >> (शेष पेज 06 पर)

> अभियान के दौरान न सिर्फ फुटपाथ और सड़क पर रखे अस्थायी ढांचे और छज्जे हटाए गए, बल्कि कई दुकानदारों का मौसमी सामान, स्टॉल और छोटे व्यवसाय पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

हड़बड़ी में सामान बिखरा, आर्थिक नुकसान

नगर पालिका टीम के बुलडोजर चलाने के बाद दुकानदारों में हड़कंप मच गया। कई दुकानदार खुद ही सामान समेटने लगे, लेकिन अधिकतर के लिए स्थिति नियंत्रण से बाहर थी। फुटपाथ और नालियों पर रखे सामान को जेसीबी ने उठाकर सड़क पर फेंक दिया, जिससे दुकानदारों का आर्थिक नुकसान और बढ़ गया। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि उनके पास इस नुकसान की भरपाई करने के लिए कोई विकल्प नहीं है।

गरीब व्यापारियों की मेहनत ध्वस्त

अयोध्या रोड पर अधिकतर दुकानें मध्यम और गरीब वर्ग के मालिकों की हैं। अभियान के दौरान बिना किसी पूर्व सूचना और वैकल्पिक व्यवस्था के, दुकानों पर रखे सामान को उठाकर सड़क पर फेंक दिया गया। कई व्यापारियों ने बताया कि उनके पास न कोई विकल्प था, न कोई सुरक्षा, जिससे उनका आर्थिक नुकसान भारी हुआ।

बांग्लादेश के वर्ल्डकप मैच भारत में ही होंगे : आईसीसी

शेड्यूल बदलने से भी इनकार, एक दिन में जवाब मांगा

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश को 2026 टी-20 वर्ल्ड कप के अपने सभी मैच भारत में ही खेलने होंगे। ICC ने साफ कर दिया है कि टूर्नामेंट के शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) को भारत में ना खेलने की अपनी मांग पर विचार के लिए एक दिन का और समय दिया गया है। क्रिकइन्फो के मुताबिक ICC बोर्ड की बैठक में 16 में से 14 सदस्य देशों ने BCB के खिलाफ वोट किया। केवल पाकिस्तान ने बांग्लादेश का समर्थन किया। अब 22 जनवरी को यह तय होगा कि बांग्लादेश वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा या नहीं। अगर BCB ने भारत में खेलने से इनकार जारी रखा, तो उसकी जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया जा सकता है। बुधवार को ICC ने BCB और बाकी सदस्यों के साथ मीटिंग की। ICC ने कहा, अगर बांग्लादेश टूर्नामेंट खेलने के लिए भारत नहीं गया तो उन्हें दूसरी टीम से रिप्लेस कर दिया जाएगा। >> (शेष पेज 06 पर)

मीटिंग में आईसीसी ने सख्त रवैया अपनाया

पत्नी ने प्रेमी से करवाई पति की हत्या

आरोपी ने पहले की दोस्ती, शराब पिलाकर चलती बाइक पर रेत दिया गला

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज । लखनऊ में मंगलवार रात युवक की गला रेतकर हत्या उसकी पत्नी ने प्रेमी से करवाई थी। पुलिस ने बुधवार को आरोपी महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी रामतीर्थ ने घटना को अंजाम देने से पहले प्रदीप को शराब पिलाई और फिर चलती गाड़ी में उसका गला रेत दिया। PGI के उतरठिया गांव में प्रदीप पत्नी पूजा के साथ किराए के मकान में रहता था। उसके बगल में ही रामतीर्थ रहता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी रामतीर्थ का संदीप की पत्नी पूजा के साथ अफेयर था।

तीरथ, प्रदीप के घर आता जाता था। वहीं पर उसकी पत्नी पूजा के साथ अफेयर हो गया था। प्रदीप

इसी बात का तीरथ से विरोध कर रहा था। जिसके चलते तीरथ रंजिश रख रहा था। बताया जाता है कि मंगलवार को तीरथ ने मौका पाकर चलती बाइक पर पीछे से प्रदीप का गला रेत दिया, जिससे उसकी तड़प-तड़पकर मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि बाइक पर पीछे बैठे युवक ने ही हत्या की थी, जिसे मौके पर मौजूद लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सोशल मीडिया पर घटना से जुड़े 2 वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि वीडियो में दिख रहा युवक ही हत्या का आरोपी है। आरोपी युवक अमेठी जनपद का निवासी बताया जा रहा है। पिता लाखन सिंह ने बताया- पुलिस से घटना की सूचना मिली। पिता लखन सिंह ने बताया कि पुलिस से जानकारी मिली थी कि बेटे प्रदीप की हत्या कर दी गई है। प्रदीप दो दिन पहले ही गांव से लौटा था। डेढ़ महीने पहले वह पत्नी के पास रहने आया था। ऑटो चलाने का काम करता था। पत्नी ने एएनएम का कोर्स किया है। नौकरी के लिए लखनऊ में रहती है।

> घटनास्थल पर मृतक की बाइक खड़ी मिली, जिस पर खून ही खून फैला हुआ था। अंदाजा लगाया जा रहा है कि हत्या बाइक के पास ही की गई। बाइक के हैंडल पर एक पन्नी बंधी हुई मिली, जिसमें रेल लिपटे हुए थे। पन्नी खून से सनी हुई मिली।

पुलिस ने 2 युवकों को हिरासत में लिया

सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एडीसीपी साउथ रलापल्ली वसंथ कुमार और एसीपी गोसाईगंज ऋषभ यादव ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल की। अधिकारियों का कहना है कि दो संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

यह तस्वीर हत्या आरोपी रामतीर्थ की है। गर्लफ्रेंड पूजा के कहने पर आरोपी ने उसके पति की हत्या कर दी।

प्रेम प्रसंग समेत कई एंगल पर जांच

हत्या के बाद पुलिस ने घटनास्थल और आसपास देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया। शहीद पथ सर्विस लेन, झाड़ियों और आसपास के खाली प्लॉटों में आलाकत्ल की तलाश की गई। पुलिस टीम ने टॉर्च और मोबाइल लाइट की मदद से जमीन और सड़क किनारे के क्षेत्रों को खंगाला, लेकिन देर कुछ खास सुराग नहीं मिला। पुलिस का कहना है कि हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। प्रेम-प्रसंग, व्यक्तिगत रंजिश और अन्य आपराधिक पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। अभी हत्या की वजह सामने नहीं आई है।

तलाक विवाद के बाद मीटिंग में नहीं पहुंचीं अपर्णा

महिला आयोग की अध्यक्ष बोलीं- मदद मांगेंगी, तो बात करेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । अपर्णा और प्रतीक यादव के तलाक का मामला उनका निजी है। अपर्णा पढ़ी-लिखी और समझदार महिला हैं। वह अपने निजी मामले को संभाल लेंगी। अगर राज्य महिला आयोग से शिकायत या मदद मांगी जाएगी तो बात की जाएगी। ये बातें यूपी राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने कही। बबीता सिंह ने आज समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव शामिल नहीं हुईं।

संवाददाता ने बबीता सिंह चौहान से खास बातचीत की। अविमुक्तेश्वरानंद के मामले पर उन्होंने कहा- मैं इस मामले से परिचित नहीं हूं और न ही उनसे कभी मेरी मुलाकात हुई है।

महिला आयोग की बैठक में भले ही अपर्णा यादव शामिल नहीं हुईं, लेकिन उन्होंने लखनऊ के आवास

पर पार्टी नेताओं से मुलाकात की। पूर्व एमएलसी अरविंद त्रिपाठी गुड्डू ने मुलाकात की तस्वीर भी सोशल मीडिया साइट पर शेयर की हैं।

मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक अपनी पत्नी और भाजपा नेता अपर्णा यादव से तलाक लेंगे। प्रतीक ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपर्णा से रिश्ते खत्म करने का ऐलान किया। उन्होंने 8 घंटे में दो पोस्ट किए। पहली पोस्ट में लिखा-मैं इस स्वार्थी औरत से जल्द से जल्द तलाक लेने जा रहा हूं। इसने मेरे पारिवारिक रिश्ते बर्बाद कर दिए। इसका एकमात्र लक्ष्य है मशहूर और प्रभावशाली बनना। इस समय मेरी मानसिक स्थिति बहुत खराब है। इ

फास्ट न्यूज

बैंक से एफडी फर्जीवाड़े के खिलाफ प्रदर्शन

दुबग्गा । लखनऊ में मोहान रोड स्थित शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय परिसर में संचालित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में करोड़ों रुपए के एफडी फर्जीवाड़ा को लेकर खाताधारकों का आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। बुधवार को भी 25 से अधिक पीड़ित खाताधारक सुबह बैंक पहुंचे और बैंक अधिकारियों की संलिप्तता का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन किया।

सपाइयों का कलेक्ट्रेट पर हंगामा

लखनऊ । काशी के मणिकर्णिका घाट पर मूर्तियां तोड़ने के विरोध में लखनऊ में सपाइयों ने विरोध मार्च निकाला। कलेक्ट्रेट का घेराव करके नारेबाजी की। इस दौरान भाजपा सरकार को हिंदू विरोधी बताया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार और वाराणसी प्रशासन पर जमकर निशाना साधा और सनातन धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया।

जिला अध्यक्ष मनोज कुमार पाल ने घटना की उच्चस्तरीय जांच, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और प्रतिमाओं के पुनर्निर्माण की मांग की। उन्होंने कहा- इस कार्रवाई से करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं।

सरकारी अस्पतालों में नहीं हो रही जांच

लखनऊ । मौसम की मार झेल रहे लोगों को लखनऊ के सरकारी अस्पतालों में जांच और इलाज को लेकर लंबी दौड़ लगानी पड़ रही है। सरकारी अस्पतालों में जांच न होने पर मरीजों को निजी पैथोलॉजी का रुख करना पड़ रहा है। अस्पतालों की OPD में रोजाना बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें सामान्य जुकाम-बुखार से लेकर इमरजेंसी और हड्डी रोग विभाग के मरीजों की संख्या ज्यादा है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि उत्पादन में वृद्धि हेतु दी वित्तीय स्वीकृतियां

कृषि महाविद्यालय हरदोई में बनेगा 75 कमरों का बालक छात्रावास

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश शासन ने प्रदेश में कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने, कृषकों को रियायती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने और कृषि शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत व्यापक वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की हैं। सरकार के इस कदम से न केवल किसानों को सिंचाई के संसाधनों में मदद मिलेगी, बल्कि कृषि विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं के लिए बेहतर सुविधाएं भी सुनिश्चित की जा सकेंगी। इन स्वीकृतियों के माध्यम से राज्य के कृषि विकास को नई गति देने का प्रयास किया गया है।

कृषि उत्पादन में वृद्धि के संकल्प को दोहराते हुए शासन द्वारा कृषकों के निजी नलकूपों को निर्बाध विद्युत

- प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में अवस्थापना विकास और किसानों को विद्युत आपूर्ति के लिए वित्तीय स्वीकृतियां जारी
- आजमगढ़ परिसर को भी मिला बजट

आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश विद्युत निगम को अनुदान योजना के अंतर्गत बड़ी धनराशि आवंटित की गई है। इसके तहत जनवरी 2026 से मार्च 2026 की अवधि के लिए 60,000.00 लाख रुपये (छः अरब रुपये मात्र) की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। इस धनराशि का उपयोग किसानों को देय विद्युत सब्सिडी की प्रतिपूर्ति के लिए किया जाएगा, जिससे कृषि लागत में कमी आएगी और किसानों की आय में वृद्धि के अवसर बढ़ेंगे।

कृषि शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार हेतु चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि महाविद्यालय, हरदोई परिसर में आधुनिक छात्रावास का निर्माण कराया जाएगा। शासन ने यहां 75 कमरों के एक बालक छात्रावास के निर्माण हेतु 1832.12 लाख रुपये (अट्ठारह करोड़ बत्तीस लाख बारह हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इसके अतिरिक्त, आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय आजमगढ़ को भी विभिन्न मदों में कार्यों के संचालन हेतु 50 लाख रुपये की धनराशि आवंटित की गई है।

पहले चरण में 1000 ग्राम पंचायतों में सेवा विस्तार की योजना

ग्राम पंचायतों में डिजिटल क्रांति की नई शुरुआत

- लखनऊ की दो ग्राम पंचायतों से आधार सेवाओं का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप एवं माननीय पंचायतीराज मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर के कुशल नेतृत्व में पंचायती राज विभाग प्रदेश की ग्राम पंचायतों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रहा है। इसी क्रम में ग्राम स्तर पर आधार सेवाओं की शुरुआत करते हुए एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहल को धरातल पर उतारा गया है।

प्रदेश की राजधानी लखनऊ में

ब्लॉक सरोजनीनगर की ग्राम पंचायत भटगनवां पांडेय तथा चिनहट ब्लॉक की सैरपुर ग्राम पंचायत में आधार सेवाएं सफलतापूर्वक प्रारंभ कर दी गई हैं। इन दोनों ग्राम पंचायतों में अब तक 40 से अधिक ग्रामीण नागरिकों को आधार से संबंधित सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है और उन्हें अब शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। यह पहल पंचायत स्तर पर नागरिक सेवाओं की सहज, पारदर्शी और सुलभ उपलब्धता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। विभाग की योजना के अनुसार, पहले चरण में प्रदेश की 1000 ग्राम पंचायतों में आधार सेवाएं प्रारंभ की जाएंगी, जिसके बाद इसे चरणबद्ध तरीके से प्रदेश की सभी 57,694 ग्राम पंचायतों तक विस्तारित किया जाएगा।

> अब तक 800 से अधिक पंचायत सहायकों को दिया जा चुका है प्रशिक्षण
>
> मा. मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप पंचायतों को डिजिटल रूप से सशक्त कर रहा पंचायतीराज विभाग
>
> गांव स्तर पर आधार सेवा से डिजिटल सशक्तिकरण को मिलेगी नई मजबूती-श्री ओमप्रकाश राजभर जी

सफल और प्रेरणादायक शुरुआत

वहीं निदेशक, पंचायती राज विभाग श्री अमित कुमार सिंह ने कहा कि "पंचायती राज विभाग ग्राम पंचायतों को डिजिटल रूप से सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। आधार सेवाओं की यह शुरुआत पंचायतों को नागरिक सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। आने वाले समय में इसका लाभ प्रदेश के हर गांव तक पहुँचेगा।" ग्राम पंचायत स्तर पर आधार सेवाओं की यह पहल डिजिटल इंडिया और सशक्त पंचायतों के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक सफल और प्रेरणादायक शुरुआत मानी जा रही है।

समाज कल्याण योजनाओं पर जागरुकता कार्यशाला व समीक्षा बैठक संपन्न

महिला सशक्तिकरण को लेकर बड़ा कदम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उ.प्र. राज्य महिला आयोग आज द्वारा ''समाज कल्याण विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक एक कार्यशाला'' का आयोजन मा. अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान, उ.प्र. राज्य महिला आयोग की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यशाला का शुभारम्भ आयोग की मा. अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान, मा. उपाध्यक्ष श्रीमती चारू चौधरी, मा. सदस्यगण उ.प्र. राज्य महिला आयोग एवं सुश्री शिल्पी सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी व श्री नदीम सिद्दीकी, जिला समाज कल्याण अधिकारी लखनऊ द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। जागरुकता कार्यक्रम में

सुश्री शिल्पी सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी ने समाज कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं व प्रशिक्षण के सम्बन्ध में राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, अत्याचार से उत्पीड़ित अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को आर्थिक सहायता योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति वितरण योजना, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्रों का संचालन, अनुसूचित जाति छात्रावास संचालन, जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों का संचालन, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, उत्तर प्रदेश ट्रांसजेन्डर कल्याण बोर्ड एवं उ.प्र. माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं वृद्धाश्रमों का संचालन आदि योजनाओं के सम्बन्ध में सम्पूर्ण जानकारी दी गयी एवं मा. पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आगामी जनसुनवाई/जागरूकता चौपाल के दौरान महिलाओं/बालिकाओं को सम्बन्धित उपरोक्त विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ दिये जाने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में उ.प्र. राज्य महिला आयोग के मा. पदाधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

- बैठक में आयोग द्वारा विगत माह में किये गये विभिन्न कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया तथा आयोग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों से प्रदेश की महिलाओं को प्रभावी व त्वरित लाभ दिलाये जाने पर बल दिया गया।

'प्रॉपर्टी के लिए जहर देकर पति को मार डाला'

लखनऊ । लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में मंगलवार रात को संदिग्ध परिस्थितियों में एक इलेक्ट्रिशियन की मौत हो गई। मौत की सूचना करीब 2 घंटे के बाद उसकी पत्नी को मिली। पत्नी ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस का कहना है परिवार की तरफ से अभी तक कोई लिखित तहरीर नहीं आई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

ठाकुरगंज मुसाहिब पार्क निवासी शानू खान की करीब 15 महीने पहले बलरामपुर जिला की रहने वाली शानिया से निकाह हुआ था। शानिया ने बताया कि पिछले सप्ताह मंगलवार को पति शानू उन्हें मायके छोड़कर आए थे। 15 जनवरी को वह वापस आ गए थे। मंगलवार शाम करीब 5.30 बजे फोन पर बातचीत हुई थी। उन्होंने दुबग्गा के आगे एक प्लॉट खरीदा था। उसका वीडियो बनाकर भेजा था। बात करते हुए उन्होंने कहा था कि शाम को जमीन के कागज भी भेज देंगे। शानिया ने बताया कि शाम को बात होने के बाद जब रात में पति को फोन मिलाया तो नहीं उठा।

प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र के आवेदन हेतु ऑनलाइन व्यवस्था

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा की दृष्टि से कुशल चालकों को ही स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त हो, इसके उद्देश्य से ही सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार (मोर्थ) ने प्रत्यायन (प्रमाणन) प्राप्त चालन प्रशिक्षण केन्द्र (एडीटीसी) की स्थापना हेतु तथा उसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया के संबंध में केन्द्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 में संशोधन कर नए प्राविधान जोड़े है। इसका मुख्य लक्ष्य चालन प्रशिक्षण को वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित बनाना है। परिवहन मंत्री ने बताया कि प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना एवं रख-रखाव हेतु, पारदर्शिता पूर्ण पर्यवेक्षण हेतु आवेदन प्रपत्र समस्त वाछित अभिलेखों के साथ नए विकसित किए जा रहे पोर्टल पर ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएगें।

अब तक इसके लिए विभाग में ऑफलाइन व्यवस्था थी। उन्होंने बताया कि जल्दी ही पोर्टल को लाइव कर दिया जाएगा। इस पर विभाग तेजी से काम कर रहा है। प्रत्यायन प्रशिक्षण केन्द्र हेतु 58 जनपदों (आईडीटीआर एवं डीटीटीआई को छोड़कर) में प्रत्यायन प्रशिक्षण केन्द्र की कार्यवाही ऑफलाइन माध्यम से की जा रही थी लेकिन आगे से ऑनलाइन माध्यम से ही आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

परिवहन मंत्री ने बताया कि 10 लाख की आबादी पर 01 प्रत्यायन प्रशिक्षण चालन केन्द्र की स्थापना किए जाने का प्राविधान है। उन्होंने बताया कि लगभग 21 जनपदों में उक्त प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन विभाग कर रहा है।

आरोप : बोली- रील बनाने से रोकता था ■ 6 महीने में 10 बार पीट चुकी हूं

गाजियाबाद में पति की जीभ काटकर पुलिसवालों से भिड़ी

पति विपिन के साथ ईशा

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । 'मैंने शादी के बाद पति और सास को बता दिया था कि मैं अपनी शर्तों पर ही ससुराल में रहूंगी। मुझसे झगड़ा मोल मत लेना, अगर किसी ने मुझे 'तू' भी कहा, तो मैं बर्दाश्त नहीं करूंगी।'

ये कहना है गाजियाबाद की ईशा का, जिस पर पति विपिन की जीभ काटने का आरोप है। पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया है।

ईशा की सास गीता ने थाने में बहू की खौफनाक स्टोरी सुनाई। कहा- शादी के बाद मेरा बेटा (विपिन) बहू के मंसूबे समझ ही नहीं पाया था। शादी के 1 महीने बाद ही हमें पता चला कि वो छिपकर शराब और

सिगरेट पीती थी। अपनी रील्स बनाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती थी। जब विपिन ने उसके पास सिगरेट देख ली, तो वो बेडरूम में उसके सामने ही पीने लगी। विपिन ने कहा- तुम प्रेग्नेंट होगी, तो बच्चे पर बुरा असर पड़ेगा, मगर वो नहीं मानती थी। अब तो उसने मेरे बेटे की जीभ ही काट दी। थाने में भी ईशा पुलिस वालों से भिड़ गई। वह कहने लगी- पति कहता था कि अंडा करी नहीं खाऊंगा, तो मैंने सब्जी फेंक दी। फिर वो डांटता रहा, गुस्से में मैंने जीभ ही काट दी। ये कहानी गाजियाबाद के संजयपुरी गली नंबर बेगमाबाद में जून, 2025 से शुरू होती है। जब राम अवतार और गीता ने अपने इकलौते बेटे विपिन की शादी ईशा से की। घर बहुत छोटा था, इसलिए ऊपर की मंजिल पर कमरा बनवाकर विपिन पत्नी के साथ वहीं पर रहने लगा। ईशा मेरठ के मलियाना इलाके की रहने वाली है। विपिन मोदीनगर में एक फैक्ट्री में प्राइवेट नौकरी करता है।

एडवोकेट बोले- ऐसे मामले में 15 साल की सजा

गाजियाबाद के सीनियर एडवोकेट सौरभ डागर कहते हैं- पुलिस ने जीभ कटने के मामले में BNS की धारा 115 (2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 352 (जानबूझकर अपमानित करना), 351(3) (जान से मारने की धमकी देना) और 118(2) (जानबूझकर चोट पहुंचाना) में केस दर्ज किया है।

एफआईआर में दर्ज है कि जीभ कटकर अलग हो चुकी है, जिसके बाद महिला को अरेस्ट किया गया। गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है, जिसमें शरीर का एक अंग कटकर अलग हुआ। इस तरह के मामले में 15 साल तक की सजा है।

सर्जरी के बाद भी नहीं जुड़ सकती जीभ

मां गीता ने कहा- मेरठ के सुभारती मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर का कहना है कि विपिन की जीभ कटकर अलग हो चुकी है। अब सर्जरी के बाद भी जीभ को जोड़ा नहीं जा सकता। जीभ करीब 2.5 सेमी कट चुकी है। डॉक्टर ने परिवार वालों को बताया कि प्लास्टिक की जीभ जोड़ी जा सकती है। हालांकि वह पहले की तरह अब साफ बोल नहीं सकेगा। परिवार ने कहा कि किसी भी तरह विपिन बच जाए और वह टूटी-फूटी भाषा में ही बोलना शुरू कर दे।

लखनऊ मंडल में अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा की बैठक

भवान सिंह रावत की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से चुने गए पदाधिकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा एक राष्ट्रीय सामाजिक सांस्कृतिक धार्मिक संगठन है जो कि विगत 18 वर्षो से विभिन्न प्रदेशो में निरंतर कार्य कर रही है, जिसकी लखनऊ मंडल में एक बैठक महासभा के कार्यालय विशाल खंड डिगडिगा में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भवान सिंह रावत के अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें जिला इकाई की कमेटी का गठन किया गया इस अवसर पर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष हेमवंत सिंह गड़िया, राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष राधा बिष्ट, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक असवाल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अंजली बोनाल, राष्ट्रीय कार्यकरणी सदस्य संगीता

रावत, राष्ट्रीय कार्यालय सचिव पूरन सिंह बिष्ट, प्रदेश सयोजक बच्ची सिंह डोलिया, प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट, सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहें.. बैठक में सर्वसहमति से जिला इकाई के पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमें संयोजक युवराज सिंह परिहार अध्यक्ष नारायण जोशी, उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंह रावत, जगदीश बुटोला, महेंद्र सिंह राणा, बृजमोहन नेगी, महासचिव जयबीर सिंह बिष्ट , कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, सह कोषाध्यक्ष केशव बिटालू, संगठन सचिव नारायण रावत, मीडिया प्रभारी गोपाल सिंह बम, प्रचार सचिव पंकज राणा, कार्यालय सचिव महावीर खांतवाल, कार्यकारिणी सदस्य वीरेंद्र मेहता को बनाया गया।

श्रवण धाम महोत्सव का भव्य समापन

आस्था, संस्कृति और लोककलाओं के संगम ने रचा ऐतिहासिक अंतिम दिवस

प्रस्तुति

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जनपद के विकास खंड कटेहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत चिउटीपारा स्थित महात्मा श्रवण कुमार की निर्वाण स्थली पर आयोजित तीन दिवसीय श्रवण धाम महोत्सव–2026 का समापन मंगलवार को भव्य, सुव्यवस्थित और गरिमामय रूप से संपन्न हुआ। अंतिम दिवस पर तमसा तट आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना के संगम का साक्षी बना। तमसा आरती के बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला ने श्रद्धालुओं और कला प्रेमियों को देर रात तक बांधे रखा। इसके उपरांत कला क्षेत्र फाउंडेशन के कलाकारों ने दक्षिण भारत की सांस्कृतिक धरोहर को मंच पर जीवंत किया। भरतनाट्यम, कथकली, कुचीपुड़ी और मोहिनीअट्टम सहित विभिन्न नृत्य शैलियों की जुगलबंदी ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। भाव-भंगिमाओं, मुद्राओं और ताल-लय के सटीक समन्वय ने प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाया। दर्शकों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

> अंतिम दिवस की शुरुआत पावन तमसा नदी के तट पर आयोजित तमसा आरती से हुई। दीपों की पंक्तियों और मंत्रोच्चार के बीच वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। आरती के उपरांत सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ हुआ, जिसमें देश की विविध कलात्मक परंपराओं की प्रभावशाली झलक देखने को मिली।

रामलीला के बाद श्रवण धाम के त्रिवेणी संगम पर भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया गया। रंग-बिरंगी रोशनी से आसमान जगमगा उठा और इसी के साथ श्रवण धाम महोत्सव–2026 का औपचारिक समापन हुआ। समापन अवसर पर विधान परिषद सदस्य और जिलाधिकारी द्वारा युवा कवि अभय सिंह निर्भीक को श्रवण धाम गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान साहित्य और सांस्कृतिक क्षेत्र में उनके योगदान के लिए प्रदान किया गया। समापन समारोह में विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडे ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाली सभी प्रशासनिक टीमों, अधिकारियों, कर्मचारियों और सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

शास्त्रीय संगीत ने बांधा समां

तमसा आरती के बाद प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका रश्मि मालवीय जोश ने शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति दी। उनकी गायकी में प्रस्तुत रागों की शुद्धता और बंदिशों की भावपूर्ण अभिव्यक्ति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। संपूर्ण परिसर शास्त्रीय सुरों से गूंज उठा और भारतीय संगीत परंपरा की समृद्ध विरासत का सजीव अनुभव कराया।

दिव्य रामलीला बनी आकर्षण का केंद्र

कार्यक्रम की अगली कड़ी में संस्कृति विभाग के कलाकार अमित दीक्षित 'राम जी' और उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत "सियाराम—एक दिव्य गाथा" रामलीला का मंचन किया गया। प्रकाश, संगीत और सशक्त संवादों से सजी इस प्रस्तुति में भगवान राम के आदर्श, त्याग और धर्मबोध के साथ महात्मा श्रवण कुमार की मातृ-पितृ भक्ति को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। रामकथा के मंचन ने दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़े रखा।

भीटी में दिनदहाड़े शराब दुकान पर हमला सेल्समैन को गोली मारकर नकदी लूटी

जमोलीगंज बाजार में दहशत, बाइक छोड़कर फरार हुए बदमाश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद के भीटी क्षेत्र में बुधवार को दिनदहाड़े हुई आपराधिक वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। जमोलीगंज बाजार स्थित ज्योति जायसवाल की शराब दुकान में घुसकर दो अज्ञात बदमाशों ने कार्यरत सेल्समैन विमल जायसवाल को गोली मार दी। गोली उनके पेट के निचले हिस्से में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। बदमाश वारदात के बाद दुकान में रखी नकदी लूटकर फरार हो गए।

घटना दोपहर के समय की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक से पहुंचे दो युवक अचानक दुकान के अंदर घुसे और बिना किसी बहस के सेल्समैन पर फायर कर दिया। गोली चलने की आवाज सुनते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गई। दुकानदारों ने आनन-फानन में अपने प्रतिष्ठान बंद कर लिए, जबकि मौके पर मौजूद लोग दहशत में इधर-उधर भागने लगे।

गोली लगने के बाद सेल्समैन विमल जायसवाल लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए उन्हें तत्काल भीटी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज जारी है।

बताया जा रहा है कि बदमाशों ने गोली मारने के बाद काउंटर में रखी नकदी लूट ली। हालांकि लूटी गई रकम कितनी है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश जिस बाइक से आए थे, उसे घटनास्थल पर ही छोड़कर पैदल फरार हो गए। बाइक को लेकर पुलिस को अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

दिनदहाड़े बाजार में गोली चलने की घटना से पूरे जमोलीगंज क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि बाजार क्षेत्र में पुलिस गश्त की कमी के कारण अपराधियों के हौसले बढ़ रहे हैं।

सूचना मिलते ही भीटी पुलिस के साथ वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

फास्ट न्यूज

रूसी बिजनेस मैन ने काशी में किया विवाह

वाराणसी । काशी में रूसी बिजनेस मैन ने बुधवार को वैदिक हिन्दू रीति रिवाज से विवाह किया। इस विशेष अवसर पर उन्होंने सात फेरे लेकर सात जन्मों तक एक-दूसरे का साथ निभाने की कसम खाई।

वाराणसी के प्राचीन दशाश्वमेध घाट पर भारतीय परंपरा के अनुसार इस विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान रूसी कपल भारतीय परिधान में दिखा।

स्कूल के पास अजगरों का बसेरा

हजपुरा,अम्बेडकरनगर। अकबरपुर–जलालपुर मुख्य मार्ग पर स्थित कजपुरा मोड़ की पुलिया इन दिनों लोगों के लिए गंभीर खतरे का सबब बन गई है। पुलिया के नीचे करीब आधा दर्जन से अधिक विशालकाय अजगरों ने अपना स्थायी रैन बसेरा बना लिया है, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। हिंदू पौराणिक मान्यताओं में नागदेवता को धरती का रक्षक और भगवान शिव के आभूषण के रूप में पूजा जाता है। नागपंचमी जैसे पर्व पर लोग नागों की आराधना कर उनसे सुख-समृद्धि की कामना करते हैं, लेकिन कजपुरा मोड़ पर यही नागवंश अब लोगों के लिए आस्था नहीं, बल्कि आतंक का कारण बनता जा रहा है।

बीएचयू प्रशासन ने 5 छात्रों पर की कार्रवाई

वाराणसी । बनारस हिंदू विश्वविद्यालय प्रशासन ने अनुशासनहीनता के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच छात्रों के खिलाफ दंडात्मक कदम उठाए हैं। जिसपर छात्रों में नाराजगी जताई है। छात्रों ने कहा कि हम लोगों ने अस्पताल प्रशासन के अव्यवस्था पर सवाल खड़ा किया था। कमेटी ने जांच में जो हम लोगों पर आरोप लगे थे वह असत्य पाया था फिर भी यह नोटिस जारी किया गया है।

भाजपा नेता विवेक मौर्य ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से की मुलाकात

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। भारतीय जनता पार्टी के नेता विवेक मौर्य ने मंगलवार को पार्टी के नव नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। इस दौरान विवेक मौर्य ने उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का कार्यभार संभालने पर बधाई दी और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। यह भेंट संगठनात्मक स्तर पर शिष्टाचार मुलाकात के रूप में देखी जा रही है।

मुलाकात के दौरान पार्टी संगठन, आगामी रणनीतियों और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर सामान्य चर्चा हुई। विवेक मौर्य ने कहा कि नितिन नवीन के नेतृत्व में पार्टी को नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत करने की दिशा में राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रयासों की सराहना की। भेंट के दौरान विवेक मौर्य ने कहा कि पार्टी में संगठनात्मक संवाद और समन्वय की भूमिका अहम होती है। राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ संवाद से कार्यकर्ताओं में ऊर्जा और स्पष्ट दिशा मिलती है। उन्होंने भरोसा जताया कि नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी अपने संगठनात्मक लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगी। विवेक मौर्य ने इस अवसर पर अम्बेडकर नगर जनपद के कार्यकर्ताओं की ओर से भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर के कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं और राष्ट्रीय नेतृत्व का मार्गदर्शन उन्हें और अधिक मजबूती प्रदान करता है।

पदभार ग्रहण पर दी बधाई, संगठनात्मक मजबूती पर हुई चर्चा

मनरेगा बचाने के लिए कांग्रेस का अभियान

गांव-गांव चौपाल लगाने का ऐलान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मनरेगा को बचाने और इसके महत्व को ग्रामीण जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से कांग्रेस गांव-गांव चौपाल लगाएगी। यह घोषणा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने जिला कार्यालय पर आयोजित बैठक में की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण रोजगार गारंटी के रूप में मनरेगा को केंद्र की कांग्रेस सरकार ने लागू किया था, लेकिन वर्तमान समय में इस कानून को कमजोर किया जा रहा है।

'मनरेगा बचाओ संग्राम' के जिला कोऑर्डिनेटर अमित जायसवाल ने कहा कि मनरेगा गरीबों और मजदूरों का कानूनी अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस योजना को कमजोर कर लोगों का हक छीनने का प्रयास कर रही है। उनका कहना था कि रोजगार के अभाव में ग्रामीण क्षेत्र के श्रमिक सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव मो अनीश खान ने कहा कि सरकार की नीतियां जनविरोधी हैं, जिसका असर सीधे गरीब और कमजोर वर्ग पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि रोजगार और आजीविका से जुड़े मुद्दों पर सरकार की उदासीनता लगातार सामने आ रही है। बैठक में मौजूद जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल, कुलदीप उपाध्याय, मो जियाउद्दीन अंसारी, असगर अली, शीतला प्रसाद श्रीवास्तव, फिरोज अहमद किछौछवी, शहबाज गांधी, मिसबाहुद्दीन अंसारी, हाजी सलीम, राजीव गुप्ता और अमित कुमार यादव ने कहा कि कोरोना संकटकाल के दौरान मनरेगा ने लाखों जरूरतमंद परिवारों को सहारा दिया।

ब्लाकवार चौपाल लगाने का निर्णय

बैठक में सर्वसम्मति से जनपद के सभी विकासखंडों में ब्लाकवार चौपाल लगाने का निर्णय लिया गया। तय कार्यक्रम के अनुसार 22 जनवरी को अकबरपुर, 23 जनवरी को कटेहरी, 24 जनवरी को भीटी, 25 जनवरी को बसखारी, रामनगर और जहांगीरगंज, 27 जनवरी को जलालपुर तथा 28 जनवरी को भियांव विकासखंड में चौपाल का आयोजन किया जाएगा। इन चौपालों के माध्यम से मनरेगा से जुड़े मुद्दों को ग्रामीणों के बीच रखा जाएगा।

अकबरपुर में विधिक साक्षरता शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर।विकासखंड अकबरपुर के ड्वाकरा हाल में बुधवार को विधिक साक्षरता और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, उपभोक्ता अधिकार, स्थायी लोक अदालत की सेवाएं, मध्यस्थता की भूमिका और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान से जुड़ी जानकारियां दी गईं। शिविर का उद्देश्य आम लोगों को कानून से जुड़ी प्रक्रियाओं, अधिकारों और उपलब्ध वैकल्पिक समाधान तंत्र के बारे में जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर जिला जज और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव भारतेंदु प्रकाश गुप्ता ने कहा कि बाल विवाह रोकने के लिए निरंतर और व्यापक जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने बताया कि नालसा के निर्देशों के अनुरूप जिले में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिवसीय कार्ययोजना तैयार की गई है। इस कार्ययोजना के अंतर्गत गांव स्तर तक जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी, ताकि कानून की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। कार्यक्रम में जनवरी माह में चल रहे मध्यस्थता अभियान 2.0 पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि इस अभियान के माध्यम से पारिवारिक विवादों और सुलह योग्य मामलों का निपटारा आपसी सहमति से किया जाएगा।

बाल विवाह रोकथाम से लेकर मध्यस्थता तक पर फोकस

अंबेडकरनगर के जलालपुर क्षेत्र का मामला, पुलिस ने शुरू की जांच

मंदबुद्धि युवक को चोर समझकर पीटा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद से मानवता को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के पकड़ी मरहरा गांव में ग्रामीणों ने एक युवक को चोर समझकर पकड़ लिया और बिना किसी पुष्टि के उसे पेड़ से बांधकर जमकर पिटाई कर दी। बाद में पता चला कि युवक मंदबुद्धि है। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। घटना सोमवार दोपहर करीब एक बजे की बताई जा रही है। गांव में अचानक अफरा-तफरी मच गई जब कुछ ग्रामीणों ने एक युवक को संदिग्ध मानते हुए पकड़ लिया। आरोप लगाया गया कि युवक ने एक ठेला और तीन गेहूं की बोरियां चोरी की हैं। ग्रामीणों ने न तो युवक से सही ढंग से पूछताछ की और न ही पुलिस को सूचना दी। उसे पेड़ से बांध दिया गया और कई लोगों ने मिलकर उसकी पिटाई की।

घटना का वीडियो किसी ने मोबाइल फोन से रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक को पेड़ से बांधा गया है और उसके चेहरे व शरीर पर मारपीट के निशान हैं। वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया।

बाद में सामने आई सच्चाई

काफी देर बाद जब युवक से बातचीत की गई तो पता चला कि वह अपना नाम और पता ठीक से नहीं बता पा रहा है। ग्रामीणों को बाद में जानकारी हुई कि युवक मंदबुद्धि है और नशे की हालत में था। कुछ समय बाद युवक की पहचान पास के गांव पड़ेढ़ा निवासी के रूप में हुई। सूचना मिलने पर उसके परिजन मौके पर पहुंचे और युवक को अपने साथ घर ले गए।

पानी पीने घर में घुसा था युवक

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक पानी पीने के लिए एक घर में घुसा था। इसी दौरान ग्रामीणों को उस पर शक हुआ और उसे चोर मान लिया गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बिना किसी ठोस सबूत के युवक को बंधक बना लिया। काफी देर तक युवक पेड़ से बंधा रहा और उसके साथ मारपीट होती रही।

> हैरान करने वाली बात यह रही कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान ग्रामीणों ने कई घंटे तक पुलिस को सूचना देना जरूरी नहीं समझा। युवक को पेड़ से बांधकर पीटने की घटना होती रही और कोई प्रशासनिक हस्तक्षेप नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद ही मामला पुलिस के संज्ञान में आया।

डीएम की अध्यक्षता में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक

बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्मार्ट क्लास में सुधार के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति तथा निपुण टास्क फोर्स की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पटेल ने पी.पी.टी. प्रस्तुति के माध्यम से बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति और वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी। जिलाधिकारी ने बैठक में स्पष्ट किया कि जनपद में 04 फरवरी से होने वाले निपुण आकलन की सभी तैयारियां समय रहते पूरी की जाएं।

उन्होंने निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए पार्टचार्ट के माध्यम से कार्य प्रगति सुनिश्चित करने और निर्माणदायी संस्थाओं की अलग बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में समस्त अवस्थापन गैप और अन्य कमियों के निराकरण हेतु मौके पर उपस्थित जिला विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों के लिए शिक्षण वातावरण को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम तुरंत उठाए जाएं।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आरटीई के अंतर्गत दुर्बल एवं अलाभित समूह के बच्चों के नामांकन हेतु अभियान चलाया जाए। साथ ही डीबीटी के तहत उपलब्ध धनराशि का अधिकतम सदुपयोग सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत योजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि हर बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से लाभान्वित हो।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों में गणित, विज्ञान और अंग्रेजी विषयों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रेरित करना और उन्हें रोजगारपरक तथा रुचिकर शिक्षा उपलब्ध कराना प्राथमिकता हो। परिषदीय विद्यालयों में अधिकतर गरीब परिवेश के बच्चे आते हैं, इसलिए उनकी जिम्मेदारी है कि उन्हें उच्च स्तर की शिक्षा प्रदान की जाए।

अभिलेख, विवेचना और न्यायालय कार्यों की समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। मंगलवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी हरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में जनपद के समस्त थानों के हेड मोहर्रिर और न्यायालय पैरोकार उपस्थित रहे। गोष्ठी का उद्देश्य थानों से संबंधित अभिलेखीय कार्य, न्यायालयीन प्रकरणों की प्रगति और लंबित मामलों की स्थिति की समीक्षा करना रहा।

बैठक के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी ने थानों के दैनिक कार्यों, मालखाना प्रबंधन, अपराध पंजिकाओं के रखरखाव और अद्यतन स्थिति की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि थानों में रखे जाने वाले सभी अभिलेख समय से पूर्ण, सही और अद्यतन होने चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। समीक्षा गोष्ठी में न्यायालयीन मामलों को लेकर विशेष चर्चा की गई। न्यायालय पैरोकारों को निर्देशित किया गया कि वे लंबित वादों की नियमित समीक्षा करें और समय से चार्जशीट, साक्ष्य और अन्य आवश्यक दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकरण में तारीख पर अनुपस्थिति या दस्तावेजों की कमी से विभाग की छवि प्रभावित होती है।

अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी ने थानों के हेड मोहर्रिर और न्यायालय पैरोकारों के साथ की समीक्षा बैठक

निर्देश : दुर्घटना पीड़ितों को 1.5 लाख तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना का क्रियान्वयन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों के तत्काल एवं कैशलेस उपचार के लिए भारत सरकार द्वारा अधिसूचित योजना को जिले में प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने की। बैठक में जिले के सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी, थानाध्यक्ष, यातायात निरीक्षक और आयुष्मान भारत योजना से जुड़े प्रतिनिधियों को योजना के क्रियान्वयन एवं प्रशिक्षण से अवगत कराया गया।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि भारत सरकार के राजपत्र संख्या-1971 दिनांक 05 मई, 2025 और सचिव, राज्य सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के पत्र संख्या-11028/01/2024-MVL Part (2) दिनांक 16 मई, 2025 के अनुसार राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की सक्रिय भागीदारी से मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 162 के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना, 2025 अधिसूचित की गई है।

इस योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को दुर्घटना की तारीख से अधिकतम 07 दिनों के भीतर प्रति पीड़ित 1.5 लाख रुपये तक का उपचार कैशलेस तरीके से उपलब्ध होगा। कैशलेस योजना का संचालन इलेक्ट्रानिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट (eDAR) और प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना (AB PM & JAY) में प्रयोग होने वाले ट्रांजेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम (TMS) के माध्यम से किया जाएगा। दुर्घटना पीड़ित के उपचार के उपरांत संबंधित अस्पताल को मोटर वाहन दुर्घटना निधि से भुगतान किया जाएगा, जिसे केन्द्र सरकार के सहयोग से वित्तपोषित किया जाएगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत प्रवर्तन

उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक प्रदेश स्तर पर ₹राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह₹ मनाया जा रहा है। इसके तहत बुधवार को जिले में डबल डेकर बस और अन्य बसों की सड़क पर चेकिंग की गई।

इस दौरान कैशलेस उपचार योजना और सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। प्रवर्तन कार्रवाई के अंतर्गत 59 वाहनों का चालान किया गया और 04 वाहनों को निरुद्ध किया गया।

कवि अभय सिंह निर्भीक को मिला प्रथम श्रवण धाम गौरव सम्मान

जिला प्रशासन ने ओजस्वी कवि को किया सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। अपनी ओजस्वी कविताओं के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अम्बेडकर नगर जनपद की पहचान स्थापित करने वाले कवि अभय सिंह निर्भीक को जिला प्रशासन की ओर से प्रथम श्रवण धाम गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान श्रवण धाम महोत्सव के समापन अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया।

समारोह में विधान परिषद सदस्य हरिओम पाण्डेय, जिलाधिकारी अनुपम शुक्ल, पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर, मुख्य विकास अधिकारी आनंद शुक्ल और अपर जिलाधिकारी रंजीत सिंह ने संयुक्त रूप से कवि अभय सिंह निर्भीक को स्मृति चिह्न, अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान जनपद के सांस्कृतिक, साहित्यिक और वैचारिक गौरव को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में उनके योगदान के लिए दिया गया।

कवि अभय सिंह निर्भीक जनपद के ग्राम कहरा सुलेमपुर के निवासी हैं। उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से सामाजिक चेतना, राष्ट्रबोध और समकालीन मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। उनकी कविताएं ओज, स्पष्ट विचार और प्रभावशाली शैली के लिए जानी जाती हैं। यही कारण है कि वे देशभर के प्रमुख कवि सम्मेलनों में आमंत्रित किए जाते रहे हैं।

कवि अभय सिंह निर्भीक तीन बार दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला कवि सम्मेलन में कविता पाठ कर चुके हैं, जो किसी भी कवि के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

सम्पादकीय

हदें पार करते ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अराजक व्यवहार अपनी हदें पर करता जा रहा है। अपनी बचकानी हरकतों के साथ वे ऐसी टिप्पणियां भी कर रहे हैं, जो उनके साथ-साथ अमेरिका की भी फजीहत का कारण बन रही हैं। वे पूरी दुनिया और यहां तक कि अपने मित्र राष्ट्रों के बीच भी आलोचना, निंदा और उपहास का पात्र बन गए हैं। इसके बावजूद उनके विचित्र व्यवहार पर कोई लगाम लगती नहीं दिख रही है।

पिछले दिनों उन्होंने नार्वे के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कहा कि आठ से अधिक युद्ध रोकने पर भी उन्हें नोबेल पुरस्कार नहीं दिया गया, इसलिए अब शांति उनकी जिम्मेदारी नहीं। नोबेल शांति पुरस्कार नार्वे की संसद की ओर से नियुक्त समिति की ओर से दिया जाता है। इसका यह मतलब नहीं कि नार्वे सरकार जिसे चाहे, उसे यह पुरस्कार दे दे, लेकिन भला ट्रंप को इस सबसे क्या मतलब?

वे नोबेल शांति पुरस्कार पाने के पहले भी अधिकारी नहीं थे और वेनेजुएला पर हमला करके उसके राष्ट्रपति का अपहरण करने के बाद तो वे इस पुरस्कार के लिए पूरी तौर पर अयोग्य हो गए हैं। उन्हें केवल वेनेजुएला पर हमला करने से ही चैन नहीं मिला।

सैन्य दृष्टि से इस कमजोर देश पर हमला कर वहां कठपुतली सरकार कायम करने के बाद वे शर्म-संकोच और अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को धता बताकर डेनमार्क के स्वायत्तशासी क्षेत्र ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के लिए उतावले हो उठे हैं। इसके लिए वे यूरोपीय देशों को धमकाने से भी बाज नहीं आ रहे हैं। वे उन पर टैरिफ लगाने और ग्रीनलैंड को हासिल न करने तक उसे बढ़ाते जाने की धमकी दे रहे हैं। एक समय अमेरिकी राष्ट्रपति दुनिया के दारोगा की तरह व्यवहार किया करते थे। ट्रंप उनसे आगे निकलकर बिगड़ैल और अहंकारी दारोगा की तरह व्यवहार कर रहे हैं। गत दिवस उन्होंने अपने कक्ष की एक फोटो जारी की, जिसकी दीवार पर लगे मानचित्र में वेनेजुएला और ग्रीनलैंड के साथ कनाडा को भी अमेरिकी क्षेत्र में दिखाया गया। इसे छिछलेपन की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा। पिछले दिनों उन्होंने फलस्तीनी क्षेत्र गाजा के लिए एक योजना पेश की। इसके लिए उन्होंने जिस शांति निकाय को गठित किया, उसमें भारत समेत कई देशों को शामिल होने का निमंत्रण दिया। जब फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने इसका सदस्य बनने से इन्कार किया तो उन्होंने फ्रांस से आयात होने वाली वाइन और शैंपेन पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे दी। उनकी टैरिफ नीति से भारत समेत दुनिया के अधिकांश देश पीड़ित है। अब जब यह स्पष्ट है कि ट्रंप की मनमानी थमने वाली नहीं, तब फिर विश्व के प्रमुख राष्ट्रों के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह उनकी दादागीरी का मिलकर सामना करने के लिए एकजुट हों। इसके अलावा और कोई उपाय नहीं।

एनएसए अजीत डोभाल ने ऐसा क्या कहा कि कुछ लोग तिलमिलाने लगे!

> अजीत डोभाल के अनुसार भारत के अतीत को सिर्फ दुख के साथ याद नहीं किया जाना चाहिए बल्कि उससे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि इतिहास में कई लोगों को फाँसी दी गई, गाँव जला दिए गए, हमारी सभ्यता को नुकसान पहुँचाया गया।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने 10 जनवरी 2026 को कहा कि भारत की स्वतंत्रता आसानी से नहीं मिली बल्कि इसके पीछे पीढ़ियों तक चला दर्द, अपमान और विनाश छिपा हुआ है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन समारोह में अजीत डोभाल ने युवाओं से अपील की कि वे इतिहास के कड़वे सबक को समझें और उससे ताकत लेकर देश के पुनर्निर्माण में जुटें। उन्होंने कहा कि आजाद भारत में अक्सर लोग यह भूल जाते हैं कि पिछली पीढ़ियों ने इस स्वतंत्रता के लिए कितने बड़े बलिदान दिए। आज यह देश जितना आजाद दिखता है, वह हमेशा ऐसा नहीं था। हमारे पूर्वजों ने इसकी भारी कीमत चुकाई है। डोभाल ने सदियों तक चले विदेशी शासन के दौर का जिक्र करते हुए बताया कि उस समय लोगों को फाँसी, गाँवों के विनाश और सांस्कृतिक विरासत के नष्ट होने जैसी भयानक यातनाएँ झेलनी पड़ीं।

मंदिर लूटे गए और लोग बेबस होकर यह सब होते देखते रहे। उनके अनुसार, यह दर्दनाक इतिहास हर युवा के भीतर एक आग जगा देना चाहिए। उनके अनुसार, बदला शब्द सुनने में कठोर लग सकता है लेकिन इस संदर्भ में इसका अर्थ बहुत गहरा है। डोभाल ने कहा, "बदला एक आदर्श शब्द नहीं है लेकिन यह एक मजबूत ताकत है। हमें अपने इतिहास का बदला लेना होगा। इसका मतलब हिंसा नहीं है बल्कि अपने मूल्यों, अधिकारों और विश्वासों पर आधारित एक मजबूत और आत्मविश्वासी भारत का निर्माण करना ही असली बदला है।'' डोभाल ने कहा कि भारत ने कभी दूसरे देशों पर हमला नहीं किया, न ही उनके मंदिर तोड़े या उनकी संपत्ति लूटी जबकि उस दौर में दुनिया के कई हिस्से अभी विकास की शुरुआती अवस्था में थे। हालाँकि, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इतिहास में भारत की सबसे बड़ी गलती अपनी सुरक्षा से जुड़े खतरों को नजरअंदाज करना रही। उन्होंने कहा, "हम अपने लिए पैदा हो रहे खतरों को पहचान नहीं पाए और इतिहास ने हमें इसकी सजा दी।" डोभाल ने जोर देकर कहा कि इन सबक को भूल जाना आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा नुकसान होगा।

डोभाल के अनुसार भारत ने इतिहास में कई बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की हैं। हम कभी विज्ञान, अर्थव्यवस्था और तकनीक के शिखर पर थे, लेकिन समय के साथ गिरावट भी आई, क्योंकि कुछ भी स्थायी नहीं होता। उन्होंने कहा कि एक मजबूत राष्ट्र बने रहने के लिए लगातार प्रयास करना पड़ता है। राष्ट्र और राष्ट्रभाव एक निरंतर संघर्ष है, जो कभी खत्म नहीं होता।

नतीजतन एनएसए को सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक, नफरत फैलाने वाला, देश को बाँटने वाला व इनसिक्योर बताकर सेकुलर भारत के लिए खतरा बताया जा रहा है। उन्हें घेरने वालों में इस्लामी पत्रकारिता के लिए कुख्यात आरफा खानम, अलगाववादियों का समर्थन करने वाली जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती जैसों के नाम हैं।

महबूबा मुफ़्ती ने ट्वीट किया, "यह बहुत दुखद है कि डोभाल जैसे उच्च पद के अधिकारी, जिनका काम देश को अंदरूनी और बाहरी खतरों से बचाना है, उन्होंने नफरत फैलाने वाली सांप्रदायिक विचारधारा को अपनाया और मुसलमानों के खिलाफ हिंसा को सामान्य बनाने की कोशिश की। गरीब और अशिक्षित युवाओं को एक पहले से ही परेशान और लक्ष्य बन रही अल्पसंख्यक समुदाय पर हमला करने के लिए उकसाता है।" वहीं आरफा खानम, कंचना यादव और स्वाति चतुर्वेदी का भी यही पैटर्न है। वह अच्छे से जान-समझ रही हैं कि डोभाल ने क्या बोला है, लेकिन उनकी बात चूँकि वामपंथी एजेंडे पर सही नहीं बैठ रही, इसलिए उन्होंने उस बयान के खुद ही मायने गढ़ लिए।

डोभाल के बयान से साफ है कि वो कहीं भी 'बदले' शब्द को हिंसा से जोड़कर नहीं बोल रहे थे बल्कि एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण की बात कर रहे हैं। उन्होंने इतिहास से सीख लेकर राष्ट्र को पुनर्निर्मित करने की बात कही, न कि किसी समुदाय के खिलाफ हिंसा भड़काने की। उनका मकसद अपने श्रोता युवाओं में देशभक्ति जगाने का था, द्वेष फैलाने का नहीं।

हालाँकि, उनके बयान को वामपंथी और कट्टरपंथी अपने एजेंडे के अनुसार तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं। उन्हें शायद डर है कि कहीं सच में लोग उस इतिहास को लेकर सजग न हो जाएँ जहाँ देश को तोड़ने वालों और संपत्तियों को लूटने वालों का जिक्र है। इनकी दिक्कतें इसलिए हैं क्योंकि जिन्होंने भारत को समय-समय पर नष्ट करने का प्रयास किया वो ही इनके पसंदीदा 'नायक' हैं।

ऐसे 'बुद्धिजीवी' वर्ग लोगों को समझने की जरूरत है कि इतिहास को इनके हिसाब से पेश करने का एक दौर बीत चुका है। अब वो समय नहीं है कि इस्लामी आक्रांताओं के कुकृत्यों को महिमामंडन करने का काम हो। इतिहास का अर्थ वही होता है जो बीते समय का सच हो। अगर उसे बताने से एक समुदाय पर सवाल उठ रहे हैं, तो समस्या उस रिलिजन में है न कि इतिहास में।

आज अगर देश को लूटे जाने के इतिहास को गहराई से पढ़ने पर 'लुटेरे' इस्लामी आक्रांता ही निकलकर आ रहे हैं तो इसमें इतिहास बताने वाले की क्या गलती है? गलती उसकी है जिसने ये किया, गलती उसकी है जिसने हमेशा ये समझा कि दुनिया वही इतिहास पढ़ेगी जो वो पढ़ाना चाहेंगे। गलती उस वर्ग की है जिसे लगा कि उन्होंने कह दिया तो अकबर हमेशा 'महान' बना रहेगा और औरंगजेब को लोग हमेशा 'मंदिर का निर्माण' कराने वाले के तौर पर जानेंगे। जानकारों के अनुसार डोभाल के बयान को विकृत ढंग से पेश करने के चक्कर में ये लोग खुद ही इसको स्वीकार कर बैठे कि देश के मंदिर को लूटने वाली घटनाएँ बिलकुल सच हैं। महबूबा मुफ्ती के ट्वीट से स्पष्ट है कि वह मान रही हैं कि 21वीं सदी से पहले ये घटनाएँ हुईं थीं लेकिन फिर भी वो इससे मुँह इसलिए मोड़ रही हैं क्योंकि वो नहीं चाहती इतिहास को बार-बार उकेरा जाए जिससे पता चले सच क्या था।

- रामस्वरूप रावतसरे

ट्रंप के रवैये से त्रस्त दुनिया, परंपराओं को कर रहे दरकिनार

अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल को एक साल बीत गया है। इस एक वर्ष के दौरान उन्होंने अपनी नाटकीय नीतियों से वैश्विक ढांचे की दशा-दिशा ही बदल दी है। यहां तक कि अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी भी उनके अप्रत्याशित रवैये से कुछ परेशान हो चुके हैं। महीनों तक नोबेल शांति पुरस्कार के लिए खुद ही अपनी पैरवी करते रहे ट्रंप ने नव वर्ष की शुरुआत में ही नए तेवर अपना लिए। तीन जनवरी को वेनेजुएला में महज कुछ घंटों के दौरान ही सत्ता पलट करने में सफल रहे ट्रंप उसके बाद ईरान और ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामकता दिखाने लगे। बीते दिनों ईरान में अनियंत्रित हुए विरोध-प्रदर्शनों के निर्ममता से दमन को लेकर भी उन्होंने चेताया कि अगर सत्ता ने अपना शिकंजा और कड़ा किया तो वे कोई कड़ा कदम उठाने से संकोच नहीं करेंगे। जब हजारों की तादाद में प्रदर्शनकारियों के मारे जाने की खबरें आईं तो ट्रंप ने कहा कि अमेरिका कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है और ईरान को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। इसके लिए उन्होंने पिछले साल ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाने का उदाहरण भी सामने रखा। ईरानी सत्ता प्रतिष्ठान ने प्रदर्शनकारियों की हत्या और गिरफ्तार लोगों को फांसी दिए जाने जैसे आरोपों से इन्कार किया है और ट्रंप ने भी अपने निजी सूत्रों का हवाला दिया कि ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। यह बात अलग है कि ईरान में जिन लोगों एवं संस्थाओं पर प्रदर्शनकारियों के दमन और विदेशी बाजार में तेल की कालाबाजारी के आरोप हैं, उन पर ट्रंप प्रशासन ने नए सिरे से और कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। इतना ही नहीं, ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर भी उन्होंने ईरान और उसके सहयोगियों को कड़ा संदेश दिया। ईरान से इतर ग्रीनलैंड का मामला ट्रंप के नजरिये से कहीं अधिक महत्वपूर्ण दिख रहा है।

हर्ष वी. पंत

बीते 14 दिसंबर को उन्हें...

डॉ. रमेश ठाकुर

नवीन की ताजपोशी के सियासी मायने

नितिन नवीन को पार्टी की कमान सौंपकर भारतीय जनता पार्टी ने सियासी पटल पर एक नई इबारत लिखी है। पार्टी में वरिष्ठों और अनुभवी नेताओं की लंबी कतार होने के बावजूद एक युवा नेता को अध्यक्ष बनाने का सीधा-सीधा मतलब है भारतीय राजनीति में नई संस्कृति को बढ़ावा देना। दरअसल, ये ऐसा सियासी संदेश है जिसे दूसरे दलो को भी सीखना चाहिए। देश में तमाम दल ऐसे हैं जो परिवार से घिरे हैं। उनके यहां अध्यक्ष पार्टी से किसी सामान्य कार्यकर्ताओं को बनाने की रत्ती भर भी परंपरा नहीं है। कोई सोच भी नहीं सकता कि टीएमसी, शिवसेना, सपा, बसपा, टीडीपी जैसी पार्टियों में कोई सामान्य पार्टी का कार्यकर्ता अध्यक्ष भी बने लेकिन भाजपा ने नितिन नवीन को अपना अध्यक्ष बनाकर ऐसे दलों को सोचने पर विवश कर दिया है। इस परंपरा को कोई अपनाए या नहीं लेकिन दूसरे दलों के कार्यकर्ताओं में चेतनाएं जरूर जग गई हैं। वह भी अपने दल में ऐसे उच्च पदों पर आसीन होने की कल्पनाएं करेंगे हालांकि, ऐसा दूसरे दलों में भी होगा, संभव नहीं?

नवीन की ताजपोशी किसी चमत्कार से कम नहीं? देशवासी भाजपा के इस कदम को राजनीति में बदलती हुई नई तस्वीर के रूप में

देख रहे हैं। बीते 14 दिसंबर को उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया और 20 जनवरी को पूर्णकालिक ओहदे पर बिठा दिया गया, वह भी निविर्रोध? ये अकल्पनीय है और चमत्कारी फैसले जैसा है। नवीन का कार्यकारी अध्यक्ष का प्रोबेशन समय एक महीना ही रहा हालांकि, तमाम राजनीतिक पंडित नवीन के सामने पार्टी की लय को बरकरार रखने की चुनौती देख रहे हैं। निश्चित रूप से ऐसा देखा जाएगा, कयास भी लगाए जाएंगे लेकिन संगठन बड़ा है, टीम वर्क बेहतरीन है, सपोर्ट उन्हें वरिष्ठों की मिलेगी। इसलिए हो सकता है वह प्रेशर न लें। वैसे, नितिन नवीन की संगठनात्मक क्षमता का आकलन पार्टी अगले एकाध साल में ही कर लेगी जिसमें बंगाल विधानसभा चुनाव पहली परीक्षा होगी। बंगाल को जीतना पार्टी का न सिर्फ सपना है बल्कि मोदी-शाह के लिए प्रतिष्ठा का सवाल भी बन हुआ है। नवीन के समक्ष एक सबसे बड़ी चुनौती तो 2014 से भारतीय जनता पार्टी ने जो विस्तार किया है, उसे यथावत रखने की रहेगी। केंद्र में नरेंद्र मोदी के आगमन के बाद पार्टी में सदस्यों की संख्या पिछले के मुकाबले आधे से ज्यादा बढ़ी। क्योंकि सदस्यता के लिहाज से भाजपा मौजूदा वक्त में विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है जिसमें युवाओं की तादाद बहुतायत है, इसलिए युवा नेताओं के जोश और अनुभव में उन्हें तालमेल बिठाकर चलना होगा। दक्षिण भारत को भेदना अब भाजपा के लिए अंतिम लक्ष्य हो गया है। वह हिस्सा उनसे अभी भी अभेद है। कर्नाटक में पार्टी सरकार बना चुकी है। आंध्र प्रदेश में टीडीपी के गठबंधन में है लेकिन तेलंगाना, तमिलनाडु में सफलता नहीं मिली है। हालांकि, केरल में पहली बार भाजपा का एक इकलौता सांसद बना और तिरुवनंतपुरम में मेयर बनाने में सफल हो चुकी है पर, पूर्णरूपी कब्जा करने की कसक अभी बाकी है। नवीन को इन्हीं चुनौतियों से जूझना पड़ेगा। भाजपा नवीन में संगठनात्मक मजबूती पहले देख चुकी है। 2023 के छत्तीसगढ़ विधान सभा चुनाव में पार्टी की जीत को नितिन नवीन के राजनीतिक जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण मोड़ माना जाता है। तब, उनकी बड़े नेताओं ने प्रशंसाएं भी की थी। नवीन तभी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के चहेते बनें। तभी, तो उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के सवा महीने बाद ही समूची पार्टी की बागडोर सौंप दी। पद को संभालने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं नवीन। लेकिन उनके करियर को असली रफ्तार साल 2019 में मिली थी जब उन्हें सिक्किम विधान सभा चुनाव में भाजपा के अभियान की कमान सौंपी गई थी। फिलहाल, भाजपा के नए बॉस अब नितिन नवीन बनें हैं। कैसे होंगे अगले कुछ महीने उनके लिए, पहले से गठित टीम में बदलाव होगा या फिर पुरानी टीम के साथ ही नवीन आगे बढ़ेंगे। आगे लगातार चुनाव हैं, किन रणनीतियों पर करेंगे काम, इसका अंदाजा कुछ समय बाद लग जाएगा।

वसंत ...

डॉ घनश्याम बादल

प्रकृति, चेतना और आत्म जागरण का उत्सव

भारतीय परंपरा और श्रीमद् भागवत गीता में वसंत को ऋतुराज कहा गया है,'ऋतूनां कुसुमाकरः अर्थात् ऋतुओं में मैं वसंत हूँ, जहाँ सृजन, सौंदर्य और चेतना अपने चरम पर होती है। बसंत का सौंदर्य एवं महत्व देखकर ही इसे ऋतुराज की संज्ञा दी गई है। वसंत पंचमी भारतीय जीवन-दर्शन का सजीव प्रतीक है- जहाँ धर्म, विज्ञान, मनोविज्ञान और प्रकृति एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक ही चेतना के विविध रूप हैं।

तिथि मात्र नहीं बसंत

वसंत पंचमी केवल पंचांग में अंकित एक तिथि मात्र नहीं, अपितु भारतीय चेतना का वह क्षण है जब जड़ता के लंबे शीतकाल के बाद जीवन पुनः मुस्कुराने लगता है। यह ऋतु परिवर्तन का संकेत भर नहीं, बल्कि आत्मा, प्रकृति और समाज तीनों के नवजागरण का पर्व है। श्वेत शीत के बाद पीत वसंत का आगमन जैसे कहता है-अब भीतर और बाहर, दोनों ही स्तरों पर ऊर्जा को जगाने एवं सृजन का समय है।

धार्मिक और आध्यात्मिक संदर्भ

वसंत पंचमी को माँ सरस्वती का प्राकट्य दिवस माना जाता है। सरस्वती केवल विद्या की देवी नहीं, बल्कि चेतना की धारा हैं। वह चेतना जो अज्ञान के तम को चीरकर विवेक का प्रकाश फैलाती है। इसीलिए इस दिन पुस्तकों, वाद्ययंत्रों और लेखन-कार्य का पूजन होता है।

या कुन्देन्दु तुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता

या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना

श्लोक हमें स्मरण कराता है कि ज्ञान का स्वरूप शुद्ध, शांत और उज्ज्वल होता है, ठीक उसी तरह जैसे वसंत का प्रकाश। आध्यात्मिक दृष्टि से वसंत पंचमी आंतरिक ऋतु परिवर्तन का प्रतीक है। जैसे धरती के भीतर बीज फूटते हैं, वैसे ही साधक के भीतर सुप्त चेतना जागती है। योग और तंत्र परंपरा में इस काल को साधना के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है ।

प्रकृति और विज्ञान का संगम

वैज्ञानिक दृष्टि से वसंत पंचमी के आसपास पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध में दिनों की अवधि बढ़ने लगती है, सूर्य की किरणें अधिक सीधी और ऊर्जा-समृद्ध हो जाती हैं। इसका प्रभाव सीधे मानव शरीर और मस्तिष्क पर पड़ता है।

मौसम विज्ञान के अनुसार भी वसंत ऋतु में सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे "प्रसन्नता दायक हार्मोन" का स्तर बढ़ता है अवसाद, जड़ता और आलस्य में कमी आती है। सृजनात्मकता और सीखने की क्षमता तीव्र होती है । इसीलिए प्राचीन भारत में गुरुकुलों में नए अध्ययन सत्र, संगीत-नाट्य अभ्यास और शास्त्रार्थ इसी काल में प्रारंभ होते थे।

मनोविज्ञान और आत्मिक चेतना

मनोवैज्ञानिक रूप से वसंत पंचमी आशा का पर्व है।

जरा हटके

जाहिर है कि एआई ...

ज्ञान चंद पाटनी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस : आंख मूंद कर भरोसा कहीं मुश्किल में न डाल दे

आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का हर क्षेत्र में इस्तेमाल किया जा रहा है। चिकित्सा से लेकर कानून ही नहीं, कृषि और कारखानों तक, यह तकनीक बेहद उपयोगी और समय बचाने का साधन साबित हो रही है। साथ ही इसका बिना जांचे—परखे उपयोग करना मुसीबत का कारण भी बन रहा है। ताजा उदाहरण बॉम्बे हाईकोर्ट का है जहां एक वकील ने बिना जांचे एआई से बनी दलीलें दाखिल कीं और इससे नाराज अदालत ने 50,000 रुपए का जुर्माना लगाया। इसी तरह वर्कडे की ताजा ग्लोबल रिपोर्ट बताती है कि सर्वे में शामिल 85 प्रतिशत कर्मचारी मानते हैं कि हर सप्ताह एआई से बचने वाले एक से 7 घंटों में से 40 प्रतिशत समय गलतियां सुधारने में चला जाता है। इसी तरह अमेरिका और चीन के विश्वविद्यालयों के शोध पत्रों के विश्लेषण से पता चलता है कि एआई ने रिसर्च की गति तो बढ़ाई लेकिन विविधता को नुकसान पहुंचाया है। साफ है कि एआई के फायदे अपार हैं, लेकिन बिना सावधानी के उपयोग से नुकसान भी उतना ही गहरा है। इसलिए संतुलित और सही इस्तेमाल ही इसका सही मार्ग है।

निश्चित ही एआई का उदय 21वीं सदी की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति है। यह डेटा के विशाल समुद्र में डुबकी लगाती है और जरूरी जानकारी निकालती है। इसकी मदद से रिसर्चर तीन गुना अधिक पेपर प्रकाशित कर पा रहे हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में तो एआई डायग्नोसिस की सटीकता बहुत ज्यादा है। एआई तकनीक डॉक्टरों को बीमारियों का जल्द पता लगाने, जांचों का विश्लेषण

करने और उपचार सुझाने में मदद करती है। एआई संचालित टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को शीर्ष अस्पतालों के विशेषज्ञों से जोड़ते हैं जिससे समय और लागत की बचत होती है। साथ ही देखभाल की गुणवत्ता में सुधार होता है। किसानों के लिए एआई एक विश्वसनीय साथी साबित हो रही है। यह तकनीक मौसम की भविष्यवाणी कर सकती है, कीटों के हमलों का पता लगा सकती है और सिंचाई व बुवाई के लिए बेहतर समय तक सुझाने लगी है। शिक्षा के क्षेत्र में भी एआई तकनीक उपयोगी है। एआई न्यायिक कार्य, शासन और लोक सेवा प्रदान करने की प्रक्रिया को नया रूप दे रही है।

जाहिर है कि एआई तेजी से अर्थव्यवस्था को बदलने वाली तकनीक बन चुकी है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक यह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 15.7 ट्रिलियन डॉलर जोड़ सकती है। यह अलग बात है कि इस आर्थिक लाभ का 84 प्रतिशत से अधिक हिस्सा उत्तरी अमेरिका, चीन और यूरोप जैसे विकसित क्षेत्रों को मिलने की संभावना है। भारत जैसे विकासशील देश के लिए भी यह अवसरों का सागर है। यही वजह है कि देश में एआई तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके साथ ही यह भी समझना होगा कि उत्साह के साथ सतर्कता जरूरी है। एआई की चमक के पीछे छिपे खतरे नजरअंदाज नहीं किए जा सकते। बॉम्बे हाईकोर्ट का मामला इसका जीता-जागता प्रमाण है। हार्ट एंड सोल एंटरटेनमेंट के निदेशक मोहम्मद यासीन ने एआई से तैयार दलीलें दाखिल कीं. इसमें उद्धृत एक फैसला कहीं अस्तित्व में था ही नहीं। जस्टिस एम.एम. साठये ने इसे न्याय प्रक्रिया में बाधा बताया।

एआई टूल्स रिसर्च के लिए स्वीकार्य हैं लेकिन सत्यापन करना वकील या पक्षकार की जिम्मेदारी है, वे इससे बच नहीं सकते।

भीतरी सुख की प्राप्ति

व्यक्ति सुख प्राप्त करना चाहता हैं । केवल व्यक्ति ही नहीं, छोटे- छोटे प्राणी भी सुख की इच्छा रखते हैं । आगम आदि में सुखी बनने के कईं सूत्र प्रस्तुत किए गए हैं । इसमें पहला सूत्र हैं अपने आप को तपाओं । वह जो व्यक्ति सुविधावादी मनोवृती का होता हैं वह थोड़ी सी भी कठिनाई सहन नहीं कर सकता हैं। वह सुकुमार बना रहता हैं । ऐसे व्यक्ति के लिए छोटी सी कठिनाईं भी बहुत बड़ी बन सकती हैं । जहां विचारों की ऊंचाई है वही स्वर्ग है । साफ सुथरे विचार से ही आचार की स्वस्थता बढ़ती हैं । परिस्थिति व्यक्ति को सुखी और दुःखी नहीं बनाती हैं। अच्छे व बुरे विचार से ही व्यक्ति सुखी और दुःखी बनता हैं । हम जैसा सोचते हैं वैसा ही हमारा आचरण हो जाता हैं । मन की खुराक विचार है। जैसा विचार , वैसा ही आचार होता हैं । व्यक्ति कैसा है? वह उसके विचारों की अभिव्यक्ति बताती हैं । जहाँ विचारों की मलिनता वहां नरक है । जहां विचारों की ऊंचाई हैं वही स्वर्ग है। साफ सुथरे विचार से ही आचार की स्वस्थता बढ़ती हैं । विकृत विचारों से व्यवस्था अतिक्रमित होती हैं । हम जैसा सोचते हैं वैसा ही हमारा आचरण हो जाता हैं । हमारी वृत्तियां ,नीतियां व व्यवहार ही हमारे विचारों के दर्पण है। अतः हम शुभ सोचें पवित्र बनें,निर्मलता विकसायें। हमारी वृत्तियां ,नीतियां व व्यवहार ही हमारे विचारों के दर्पण है । अतः हम शुभ सोचें पवित्र बनें, निर्मलता को विकसायें । संकीर्ण , मलिन विचारों को प्रश्रय न दे व न आग्रह पनपाएं। हम देख सकतें हैं कि जिसे कठोर जीवन जीने का अभ्यास होता हैं, वह जीवन की कठिनाईं की अधिक परवाह नहीं करता हैं । तेरापंथ धर्म संघ के प्रथम आचार्य श्री भिक्षु को न खाने को आहार, न रहने को स्थान आदि - आदि फिर भी दृढ़ मनोबल के साथ श्मशान में वास करते हुए सब विपदाओं की चीर कर तेरापंथ धर्म संघ को एक नई दिशा ओर दशा आदि दिखाने का आपने कार्य किया था । तेजस्विता, प्रज्ञा और तप आदि से निखार आदि आता रहता हैं । साधु में संयम- साधना की प्रखरता होती हैं । वही उसकी वास्तविक संपत्ति होती हैं । ऐसे साधु को देवता भी नमस्कार करते हैं । अतः हमको कठिनाइयों को सहन करने की मनोवृत्ति का विकास करना चाहिए । हमारे साधु- साध्वियां सर्दी, गर्मी और बरसात के मौसम में भी विहार करते हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

तालाब में गिरा, शहर के बीचों-बीच हवा में डगमगाया, माघ मेला से 3 किलोमीटर दूर हादसा

प्रयागराज में एयरफोर्स का प्लेन क्रैश

ये वही तालाब है, जहां एयरक्राफ्ट गिरा। दलदली इलाका है। एयरक्राफ्ट तक कोई टीम नहीं पहुंच पाई है। तेज आवाज सुनकर आसपास के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए।

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में एयरफोर्स का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। एयरक्राफ्ट हवा में उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया। 2 सीटर एयरक्राफ्ट में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं।

हादसा बुधवार दोपहर करीब 12:20 बजे केपी कॉलेज के पीछे हुआ। यह शहर के बीचों-बीच का इलाका है। तालाब के पास स्कूल और रिहायशी कॉलोनियां हैं। यहां से माघ मेले की दूरी 3 किमी है। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, एयरक्राफ्ट क्रैश होने से पहले दोनों पायलट पैराशूट से कूद गए और तालाब में गिरे। वहां दलदल में फंस गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। जिस तालाब में विमान गिरा है, वहां चारों तरह जलकुंभी उगी हुई है। एयरक्राफ्ट तक रेस्क्यू टीम पहुंच गई हैं। सेना, फायर ब्रिगेड, SDRF और NDRF मौके पर हैं। रेस्क्यू अभियान जारी है।

एयरक्राफ्ट हवा में उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया।

PRO डिफेंस विंग कमांडर देबार्थों धर ने बताया, 'माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट ने दोपहर 12:15 बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी का शिकार हो गया।'

एयरफोर्स ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दिए

PRO डिफेंस विंग कमांडर देबार्थों धर ने बताया- IAF का माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी का शिकार हो गया। उसे सुरक्षित रूप से सुनसान इलाके में उतारा गया, जिससे आम लोगों की जान-माल को कोई नुकसान नहीं हुआ। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। हादसे की वजह पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया है।

उन्होंने बताया, 'दोनों पायलटों ने सुझबूझ दिखाते हुए एयरक्राफ्ट को सुनसान इलाके में उतारा, जिससे आम लोगों की जान-माल को नुकसान नहीं हुआ। हादसे की वजह पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया है।'

दोनों पायलट को स्थानीय लोगों ने तालाब से बाहर निकाला। लोगों ने जय जवान जय किसान के नारे लगाए।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- रॉकेट जैसी आवाज आई

प्रत्यक्षदर्शी पदम सिंह ने बताया-हम लोग स्कूल कैंपस में थे, तभी रॉकेट जैसी आवाज आई। आवाज सुनकर दौड़कर पहुंचे तो देखा कि कुछ लोग दलदल में फंसे थे। हम लोग तालाब में कूद गए और 2 लोगों को बाहर निकाला। एयरक्राफ्ट मेला की तरफ से आया था।

> केपी कॉलेज की एक टीचर ने कहा-करीब 12 बजे हादसा हुआ। हम लोग और बच्चे यह सब देख रहे थे। एयरक्राफ्ट में सवार तीन लोगों को निकाला गया। इसके बाद हमने पुलिस को सूचना दी। फिलहाल प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है।

एनडीआरएफ एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई

एयरक्राफ्ट को रेस्क्यू करने के लिए NDRF और SDRF की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। तालाब में विमान गिरा है, जहां चारों तरफ जलकुंभी उगी हुई है। ऐसे में अभी तक कोई भी टीम एयरक्राफ्ट तक नहीं पहुंच पाई है। केपी कॉलेज के एक छात्र ने बताया- हम लोग खड़े होकर बात कर रहे थे। तभी हवा में अचानक तेज आवाज आई और इसके बाद विमान तेजी से नीचे गिर पड़ा। बाद में पता चला कि एयरक्राफ्ट गिरा है।

'जिसे बेटी कहा, उसी ने मेरे बेटे को मार डाला'

कुशाग्र की मां बोली- हत्यारों के डर से कानपुर छोड़ा, ट्यूशन टीचर

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । 'मैं ट्यूशन टीचर रचिता को बेटी की तरह मानती थी। कुछ भी खाना बनाती थी तो रचिता को जरूर बुलाती थी। होली के समय मैंने उसे अपने घर में 4 दिन रखा था। मुझे क्या पता था कि जिसे मैं खाना बना-बनाकर खिला रही हूं, वही रचिता एक दिन मेरे बेटे को मार डालेगी। उसके टुकड़े-टुकड़े कर देगी। मेरा बेटा उसे गुरु मानता था। उसने जरा भी मेरे बेटे के बारे में नहीं सोचा। उसने टीचर के रिश्ते को कलंकित किया। मुझे डर लगता था कि कहीं ये लोग मेरे अन्य दोनों बच्चों को न मार दें। इसलिए मैंने कानपुर छोड़ दिया। मैं सूरत चली गई। मैं अपने बेटे को इंसाफ दिलाने के लिए 1196 किलोमीटर दूर से

कानपुर छोटी बेटी को साथ आती थी।' ये कहना है कुशाग्र की मां सोनिया कनोडिया का। कहा- मुझे रचिता से नफरत हो गई है। उसे और उसके साथियों को फांसी होनी चाहिए। 30 अक्टूबर 2023 को हाईस्कूल के छात्र कुशाग्र कनोडिया की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या में ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था।मंगलवार को अदालत ने तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया। अपर जिला जज 11 सुभाष सिंह की अदालत ने तय किया कि ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, प्रेमी प्रभात शुक्ला और उसके दोस्त आर्यन ने मिलकर कुशाग्र की हत्या की थी। पूरे मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 14 गवाह पेश किए गए । 13 जनवरी को आखिरी सुनवाई हुई थी। अब 22 जनवरी को कोर्ट फैसला सुनाएगी। कुशाग्र के हत्यारों को दोषी करार देने के बाद कुशाग्र की मां ने टीम से बात की। उन्होंने कहा- हत्यारों को फांसी हो, तभी बेटे की आत्मा को शांति मिलेगी।

उत्तरी रेलवे ने मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया

52 सप्ताहों में 52 सुधार

- उत्तरी रेलवे के लेखा विभाग की एक अनूठी कर्मचारी-संचालित पहल
- व्यवस्थित सुधारों के लिए कर्मचारी-संचालित प्रशिक्षण मॉड्यूल

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। माननीय प्रधानमंत्री के मिशन कर्मयोगी के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए, उत्तरी रेलवे के लेखा विभाग द्वारा 15, 16 और 19 जनवरी, 2026 को ₹प्रशिक्षण से दक्षता की ओर₹ शीर्षक से तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 20 जनवरी, 2026 को राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में आयोजित समापन समारोह में रेलवे बोर्ड के लेखा विभाग के शीर्ष नेतृत्व और उत्तरी रेलवे के शीर्ष प्रबंधन ने भाग लिया। कार्यक्रम की संरचना

माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के 52 सप्ताहों में 52 सुधारों के दृष्टिकोण से प्रेरित थी। 52 सप्ताहों में 52 सुधारों का उद्देश्य दक्षता में व्यवस्थित सुधार लाना है। शासन व्यवस्था और सेवा वितरण में सुधार करते हुए एआई और उन्नत तकनीक के उपयोग को गति देना और कर्मचारियों के प्रतिभा प्रबंधन और कौशल विकास के लिए नवीन तरीकों की खोज करना। यह प्रशिक्षण कर्मचारी-प्रेरित सुधार दृष्टिकोण पर आधारित था, जिसका उद्देश्य लेखा विभाग के कर्मचारियों के बीच सूक्ष्म नवाचारों, कार्य प्रक्रियाओं में सुधार और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को प्रोत्साहित करना था। यह प्रशिक्षण छह विषयगत मॉड्यूल में आयोजित किया गया था, जिनमें से प्रत्येक की अध्यक्षता विभाग के प्रधान प्रमुख ने की। इससे विभिन्न विभागों की भागीदारी सुनिश्चित हुई और उत्तरी रेलवे के लेखा विभाग के विभिन्न अनुभागों में आने वाली दैनिक समस्याओं पर सार्थक चर्चा और सहयोगात्मक विचार-मंथन हुआ। कार्यक्रम में 450 से अधिक रेलवे कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रेलवे बोर्ड की बजट की अतिरिक्त सदस्य सुश्री मंजुषा जैन ने विशेषकर लेखा एवं वित्त जैसे प्रौद्योगिकी-आधारित विभागों में कुशल कार्यप्रणाली की बारीकियों को उजागर किया। कार्यक्रम में वर्तमान स्वचालन प्रक्रियाओं में प्रमुख सुधार विचारों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के भविष्य के आकलन, लेखा एवं वित्त के लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता और अंतर-विभागीय समन्वय की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई।

> उत्तरी रेलवे के महाप्रबंधक श्री ए. के. वर्मा ने कर्मचारी-केंद्रित प्रणाली सुधारों के अंतर्गत 52 सप्ताहों में 52 सुधारों की इस पहल की सराहना करते हुए सूक्ष्म नवाचारों की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि व्यापक कार्यबल को शामिल करने वाले इसी प्रकार के समर्पित कार्यक्रमों की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि इन सीखों को आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है।

प्रमुख विचारों का विस्तृत सारांश प्रस्तुत किया

उत्तर रेलवे के प्रधान वित्तीय सलाहकार श्री संजय उप्रेती ने प्रशिक्षण सत्रों से प्राप्त परिणामों और सुधारों एवं सूक्ष्म नवाचारों के लिए प्रमुख विचारों का विस्तृत सारांश प्रस्तुत किया। उन्होंने तनाव प्रबंधन के एक महत्वपूर्ण पहलू पर भी प्रकाश डाला और हृदय ध्यान के माध्यम से उच्चतम प्रदर्शन को बढ़ाने का एक मॉड्यूल प्रदर्शित किया। रेलवे बोर्ड की वित्त सदस्य सुश्री अपर्णा गर्ग ने अपने संदेश में इसे उत्तर रेलवे का एक प्रगतिशील कदम बताया, विशेष रूप से आईटी-आधारित अनुप्रयोगों, उपयोगकर्ता-आधारित सुझावों और कर्मचारियों से प्राप्त प्रतिक्रिया को संस्थागत रूप देने पर दिए गए बल के कारण। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षण उत्पादकता का मूल आधार है और यह तभी सार्थक होता है जब यह कार्यस्थल पर क्षमता, आत्मविश्वास और दक्षता में परिवर्तित हो।

बिस्किट के पैकेट में चरस लेकर जिला जेल पहुंचा युवक

आगरा । आगरा जिला कारागार में निरुद्ध बंदी से मंगलवार को मुलाकात करने आया भतीजा पारले-जी बिस्कुट के पैकेट में चरस छिपाकर ले आया। चेकिंग के दौरान शक होने पर पैकेट को खोल कर देखा गया। जिसमें लगभग उसके पास से 406 ग्राम चरस बरामद की गई। उसने फर्जी तरीके से दूसरे बंदी के नाम की पर्ची लगाई थी। आरोपी को थाना हरी पर्वत पुलिस के सुपर्द कर दिया गया। जेलर की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

जेल अधीक्षक हरिओम शर्मा ने बताया-जिला कारागार की बैरक संख्या तीन में बंदी शाहरुख खान निरुद्ध है। मंगलवार को उससे मुलाकात के लिए दूसरी पाली में गोपालकुंज, सिकंदरा निवासी अली खान ने पर्ची लगाई थी।

इसी तरह बैरक संख्या दो में निरुद्ध विचाराधीन बंदी कासिम से द्वितीय पाली में मुलाकात के लिए सराय ख्वाजा, शाहगंज निवासी फातिमा और मुश्ताक नगर, अलीगढ़ निवासी सलमा ने आवेदन किया।

प्रयागराज में शंकराचार्य विवाद पर प्रवीण तोगड़िया का बड़ा बयान, शंकराचार्य और योगी मिलकर विवाद सुलझाएं

'यह स्थिति हिंदुओं के लिए दुःखद'

- हिंदू मंगलवार और शनिवार को मंदिरों में करें सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ

तमसा संकेत, संवाददाता

भदोही। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने बुधवार को भदोही में प्रयागराज माघ मेला में शंकराचार्य विवाद पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और महंत योगी आदित्यनाथ को सुझाव नहीं दे सकता, लेकिन प्रार्थना करता हूं कि मामला शांत करें। हिंदुओं के लिए यह पीड़ादायी स्थिति है।

हिंदूवादी नेता प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि प्रयागराज मामले पर मैं हूं बेहद दुखी हूँ, लेकिन हिंदू बंटेगा तो कटेगा। कहा शंकराचार्य अविमुक्ते-

श्वरानंद और महंत योगी आदित्यनाथ को सुझाव नहीं दे सकता, लेकिन प्रार्थना करता हूं कि मामला शांत करें। हिंदुओं को एकजुट करने के लिए दोनों पूजनीय संत मिलकर मामला करें शांत। उम्मीद जताया कि दोनों संत मिलकर हिंदू एकता और सम्मान का रास्ता स्वयं ढूंढेंगे।

डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि संगठित, जागरूक और संस्कारित हिंदू समाज ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिस दिन हिंदू समाज पूर्ण रूप से एकजुट हो जाएगा, उस दिन विश्व पटल पर हिंदू गौरव का परचम लहराएगा। हिंदू समाज को जागृत और संगठित करने के उद्देश्य से उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक हिंदू हर मंगलवार और शनिवार को मंदिरों में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करे, जिससे समाज में आध्यात्मिक शक्ति, एकता और राष्ट्रभक्ति की भावना और अधिक सशक्त हो। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को हिंदू को जागो, हिंदू को जगाओ का सामूहिक संकल्प भी दिलाया। डॉ. तोगड़िया के विचारों से प्रभावित उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि के साथ स्वागत किया। पूरा परिसर जय श्रीराम और हिंदू एकता जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा, जिससे वातावरण पूर्णतः राष्ट्रभक्ति और उत्साह से भर गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से तरुण शुक्ला, श्री अशोक जायसवाल (पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष), प्रिंस गुप्ता (पूर्व नगर अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी भदोही), दिलीप गुप्ता, राकेश गुप्ता, नरसिंह यादव, संतोष मोदनवाल, विवेक यादव, विपिन तिवारी, ओम प्रकाश श्रीवास्तव सहित सैकड़ों की संख्या में हिंदू समाज के लोग उपस्थित रहे।

> भदोही नगर में बुधवार को प्रवीण तोगड़िया पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अशोक जायसवाल के कार्यालय पर पहुँचे जहाँ उनका भव्य स्वागत हुआ। इस दौरान हिंदू चेतना, एकता और संगठन का विराट संदेश देखने को मिला। नगर के प्रबुद्ध नागरिकों एवं हिंदू समाज के गणमान्य लोगों ने माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

जिला मजिस्ट्रेट ने किया श्याम सुंदर को जिला बदर

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जिला मजिस्ट्रेट चन्द्र प्रकाश सिंह ने विवेचन एवं विश्लेषण के अनुक्रम में श्याम सुन्दर पुत्र हीरालाल निवासी टंकी वाली गली शिव नगर कालोनी राधाकुण्ड थाना गोवर्धन जिला मथुरा को 06 (छैः) माह की अवधि के लिये जनपद मथुरा की सीमा से निष्कासित किया जाता है। श्याम सुन्दर पुत्र हीरालाल निवासी टंकी वाली गली शिव नगर कालोनी राधाकुण्ड थाना गोवर्धन जिला मथुरा को निर्देशित किया गया है कि वह उक्त आदेश की प्राप्ति की तिथि से इस जनपद की सीमा से स्वयं बाहर चला जाये और तब तक जनपद की सीमा में प्रवेश न करे जब तक यह अवधि समाप्त न हो जाये। श्याम सुन्दर पुत्र हीरालाल जनपद से बाहर रहने की सूचना प्रभारी निरीक्षक, गोवर्धन जिला मथुरा को देगा, यदि निर्धारित अवधि में श्याम सुन्दर पुत्र हीरालाल इस आदेश का उल्लंघन या चूक करता है तो वह उत्तर प्रदेश गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम- 1970 की धारा 10, 11 के उल्लंघन का दोषी माना जायेगा और उसे गिरफ्तार किया जाकर विधि व्यवस्था के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। यदि उक्त व्यक्ति का किसी विशिष्ट न्यायिक आदेश के अनुपालन में उपस्थित होना आवश्यक है तो उस न्यायालय में उपस्थित होने हेतु उक्त व्यक्ति को धारा-4 के अन्तर्गत जिला मजिस्ट्रेट से अनुज्ञा प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी। प्रभारी निरीक्षक, गोवर्धन जिला मथुरा को निर्देशित किया जाता है कि वह श्याम सुन्दर पुत्र हीरालाल निवासी टंकी वाली गली शिव नगर कालोनी राधाकुण्ड थाना गोवर्धन जिला मथुरा को जनपद की सीमा से बाहर करें।

मौसम : कोहरे से लखनऊ में 8 फ्लाइट्स लेट, पहाड़ों पर बर्फबारी से पलटेगा मौसम

यूपी में कल से 5 दिन बारिश, फिर ठंड बढ़ेगी

तमस संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में कल से 5 दिन बारिश हो सकती है। आंधी भी चल सकती है। इसके बाद ठंड एक बार फिर अपना असर दिखाएगी। फिलहाल 2 दिनों से लोगों को कोहरे और ठंड से कुछ राहत मिली हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ों पर अगले 3 दिन बर्फबारी और बारिश की वजह से प्रदेश में तापमान फिर से लुढ़कने लगेगा। यह दौर 5 से 6 दिन तक जारी रह सकता है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभों के असर से पहले पश्चिमी यूपी में बारिश की शुरुआत होगी। यह आगे

मंगलवार को बागपत में कोहरे के चलते 15 वाहन एक दूसरे से टकरा गए। ज्यादातर गाड़ियां अच्छी-खासी क्षतिग्रस्त हुईं।

चलकर पूर्वी यूपी को भी अपने जद ले लेगी। बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। हवा की दिशा भी बदलेगी। फिर चल रही पूर्वी हवाओं ने ठंड से राहत दी है। फिर पश्चिमी हवाएं नमी बढ़ाएंगी, जिससे बारिश की परिस्थितियां बनेंगी।

आज आगरा, मथुरा समेत समेत 15 जिलों में कोहरा छाया रहा। हालांकि, दिन बढ़ने के साथ ही धूप ने लोगों को राहत दी। उत्तर भारत में घने कोहरे की वजह से लखनऊ आने-जाने वाली 8 फ्लाइट्स लेट रहीं। ऐसे ही गोरखपुर, प्रयागराज समेत तमाम रेलवे स्टेशनों पर 20 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चलीं।

पिछले 24 घंटे की बात करें तो मुजफ्फरनगर सबसे ठंड रहा, यहां रात का पारा 5.9C रिकॉर्ड किया गया। इसके बाद बरेली 7.4C, कानपुर और अयोध्या 8-8C और मेरठ 8.2C रहा।

बारिश गेहूं-मसूर के लिए फायदेमंद

कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक, यह बारिश गेहूं, मसूर और चना की फसल के लिए फायदेमंद है, लेकिन सरसों और आलू को नुकसान हो सकता है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे मौसम की जानकारी पर नजर रखें और जरूरत पड़ने पर फसलों में दवा का छिड़काव करें, ताकि नुकसान से बचा जा सके।

हाथरस में कोहरे से तो राहत है, लेकिन मौसम सर्द बना हुआ है। लोग अलाव पर तापते हुए नजर आए। हाथरस जंक्शन पर गोमती एक्सप्रेस ढाई घंटे और नेताजी एक्सप्रेस डेढ़ घंटे देरी से चल रही है।

किसान दिवस डीएम की अध्यक्षता में हुआ सम्पन्न

आलू भंडारण से लेकर मेंथा रोपाई तक समय पर हों सभी कृषि प्रबंध : डीएम

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में डी0आर0डी0ए0 सभागार में किसान दिवस/कृषि समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जनपद के किसानों से जुड़ी वर्तमान समस्याओं के साथ-साथ आगामी फसली सत्र की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि इस वर्ष जनपद में आलू उत्पादन का रकबा अपेक्षाकृत अधिक है, जिसके दृष्टिगत किसानों द्वारा बड़े पैमाने पर आलू का भंडारण कोल्ड स्टोरेज में किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समस्त कोल्ड स्टोरेज संचालकों को स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं कि

केवल जनपद के किसानों की ही बुकिंग की जाए तथा किसी भी दशा में फर्जी बुकिंग न होने पाए। इसके लिए सतत निगरानी एवं सत्यापन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि आलू एवं सरसों की कटाई के उपरांत किसानों द्वारा मेंथा की रोपाई की जाएगी, जिसके दृष्टिगत अभी से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि इस अवधि में नहरों में टेल तक पर्याप्त पानी उपलब्ध रहे, सभी सरकारी नलकूप पूर्ण क्षमता के साथ संचालित रहें तथा उर्वरकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि खरबूजे की खेती को प्रोत्साहित करने हेतु गुणवत्तायुक्त बीजों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी ने किसान भाइयों से अपील की कि बीज अथवा कीटनाशक/कृषि रसायन खरीदते समय दुकानदार से अनिवार्य रूप से रसीद प्राप्त करें, जिससे गुणवत्ता से संबंधित किसी भी शिकायत की स्थिति में त्वरित कार्यवाही की जा सके।

खुफिया एजेंसियां एक्टिव, आतंकी संगठन वाले व्हाट्सएप नंबर पर मिले मैसेज, आर्मी पर सुसाइड अटैक की प्लानिंग थी

मेरठ के उजैद का आतंकी कनेक्शन

दावा

तमस संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ के युवक का आतंकी कनेक्शन सामने आया है। यह युवक आतंकी संगठन से जुड़ा था, जिसके साक्ष्य ATS और जम्मू कश्मीर पुलिस हाथ लगने का दावा कर रही है। दो दिन पहले यह दोनों टीम उजैद के घर पूछताछ के लिए आई थीं जिसके न मिलने पर वह घर के बाहर नोटिस चस्पा कर लौट गई।

जम्मू कश्मीर पुलिस और ATS को कुछ दिन पहले एक आतंकी संगठन का वॉट्सऐप ग्रुप हाथ लगा। इस ग्रुप से जुड़े एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया था। जम्मू कश्मीर में गिरफ्तार युवक के वॉट्सऐप चैट से सिक्योरिटी फोर्स पर सुसाइडल अटैक का खुलासा हुआ था। ग्रुप में सिक्योरिटी फोर्स से जुड़ी काफी ऐसी गतिविधियां मिली, जिसने खलबली मचा दी।

"उजैद स्लीपर सेल के रूप में एक्टिव है। उसके बारे में यह भी कहा जा रहा है कि वह ब्रेनवाश करने में माहिर है। जिस वॉट्सऐप ग्रुप में युवत एक्टिव था, उसमें आर्मी पर सुसाइड अटैक की प्लानिंग की जा रही थी।

ग्रुप से जुड़े लोगों के नेटवर्क को खंगाला गया तो पता चला की इन्हीं में मेरठ के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मोहल्ला बनियापाड़ा निवासी मोहम्मद उजैद कुरैशी पुत्र मोहम्मद साजिद कुरैशी भी शामिल है। हालांकि उसके द्वारा इस चैट ग्रुप पर केवल एक मैसेज ही किया गया था। उजैद स्लीपर सेल के रूप में एक्टिव है। उसके बारे में यह भी कहा जा रहा है कि वह ब्रेनवाश करने में माहिर है। ऐसे में संभावना यह भी बनती है कि वह इस काम को कहीं न कहीं आतंकी संगठन से ही सीख कर आया है। उज़ैद के पिता फल के आढ़ती हैं, जो जम्मू से फल मंगाकर मेरठ की मंडी में आढ़त लगाते हैं।

भारत विरोधी गतिविधियों से जुड़ी प्लानिंग को किया गया था साझा

जम्मू-कश्मीर पुलिस की पूछताछ में उजैद के नाम और चैट का जिक्र आने के बाद मेरठ में कार्रवाई शुरू हुई। उजैद के द्वारा इस ग्रुप पर जो टिप्पणी की गई थी, असल में उस टिप्पणी को लेकर ही जम्मू कश्मीर और ATS एक्टिव हुई थी। सबसे बड़ी बात यह थी कि इस वॉट्सऐप ग्रुप पर भारत विरोधी गतिविधियों से जुड़ी प्लानिंग को साझा किया गया था। दो दिन पहले एटीएस की टीम ने बनियापाड़ा में दबिश दी, लेकिन उजैद फरार मिला। उसके घर और आसपास के इलाकों में गहन तलाशी अभियान चलाया गया। ATS और जम्मू कश्मीर के बाहू फ़ोर्ट थाने की पुलिस उजैद के घर पर पहुंची थी। उजैद यहां नहीं मिला, इसके बाद बाहू फ़ोर्ट थाना पुलिस ने घर पर एक नोटिस चस्पा किया। नोटिस में 24 नवंबर, 2025 में बाहू फ़ोर्ट थाने पर दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 331/25 धारा 113 (3) BNS का हवाला देते हुए 24 जनवरी को बाहू फोर्ट थाने में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

एटीएस ने गुपचुप खंगाली उजैद की कुंडली

ATS जम्मू कश्मीर पुलिस के संपर्क में आई और गुपचुप तरीके से उजैद की कुंडली खंगालने में जुट गई। खुलासा हुआ कि वर्ष 2024 में उजैद काम के सिलसिले में जम्मू कश्मीर आया था। जहां उसने संदिग्ध तत्वों से संपर्क किया।

अपनी मांगों पर अड़े भाकियू अन्नदाता के किसान

नहीं दिया उपजिलाधिकारी को ज्ञापन

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के किसानों ने छठवें दिन भी बुधवार को अपनी मांगों को लेकर तहसील महावन के गांव किशनपुर में यमुना एक्सप्रेसवे के पुल के नीचे धरना जारी रखा।

धरने में महावन उपजिलाधिकारी कंचन गुप्ता किसानों के मध्य पहुंची और किसानों से उनकी समस्याओं को लेकर समाधान पर चर्चा की लेकिन किसान समस्त मांगों के समाधान पर अड़े रहे तथा उपजि-लाधिकारी को अपनी मांगों के ज्ञापन को नहीं सौंपा। भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जे एस जाट एवं प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने बताया कि किसानों की 19 सूत्रीय मांगे हैं जिसमें से केवल 2 मांगों पर तहसील स्तर पर समाधान करने पर महावन उपजिलाधिकारी ने आश्वासन दिया। जिस पर नाराज किसानों उनको ज्ञापन देने से मना कर दिया। प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने कहा कि हमारी प्रमुख मांग है कि तहसील स्तर पर अवैध कॉलोनियां पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा एक साल से अपनी घरौनी का इंतजार कर रहे किसानों को उनकी घरौनी दी जाय।

अवैध कॉलोनियां पर लगाई जाए रोक, किसानों को दी जाए घरौनी : भूरा पहलवान

फास्ट न्यूज

आईआईटी में सुसाइड के बाद छात्रों का हंगामा

कानपुर । कानपुर IIT के PHD छात्र राम स्वरूप का आज पोस्टमार्टम कराया गया, 6वीं मंजिल से कूदने की वजह से कूल्हा, पैर, सिर की करीब 10 हड्डियां टूट गई थी, कोमा में जाने के कारण मौत की पुष्टि हुई है। पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने बताया कि अपने साथी स्कॉलर के साथ रिसर्च के लिए कुछ दिन पहले ही अपने प्रोजेक्ट के लिए राजस्थान आया था।

बेकाबू कार पेड़ से टकराई, 2 छात्रों की मौत

कानपुर। कानपुर में पार्टी से लौट रहे दोस्तों की कार बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई। कार में सवार बी-फार्मा के दो छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

यह हादसा मंगलवार आधी रात के बाद कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पनकी रोड पर हुआ। सामने आए CCTV फुटेज में स्विफ्ट डिजायर कार तेज रफ्तार में आती दिख रही है। कार में चार दोस्त सवार थे, जो पनकी से कल्याणपुर की ओर जा रहे थे। कार के पेड़ से टकराने के बाद आसपास के लोग दौड़े पहुंचे। घायलों को कार से निकाला।

डेयरी फर्मों पर 700 करोड़ की कर चोरी

आगरा। आगरा में डेयरी उत्पाद बनाने वाली भोले बाबा और दाऊजी ग्रुप समेत पांच फार्मों पर 15 जनवरी से शुरू हुई थी। आयकर विभाग की जांच मंगलवार को समाप्त हो गई। पांच दिन चली लंबी जांच के बाद सभी फर्मों में करीब 700 करोड़ रुपए की कर चोरी सामने आई है। हैदराबाद स्थित केंद्रीय लैब भेजे गए दाऊजी फर्म के घी के सैंपल में मिलावट की पुष्टि हुई है।

युवा प्रतिभा महोत्सव में छात्र-छात्राओं की कबड्डी टीम ने दिखाया दमखम

महिला कबड्डी का फाइनल वात्सल्य पब्लिक स्कूल गोवर्धन ने जीता

तमसा संकेत, संवाददाता

गोवर्धन। शहर के प्रतिष्ठित श्री सिद्दी विनायक महाविद्यालय में आयोजित युवा प्रतिभा महोत्सव में दूसरे दिन बुधवार को

छात्र-छात्राओं के वर्ग का कबड्डी मैच का रोमांचक आयोजन हुआ। कबड्डी मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि थाना प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर एवं अध्यात्म पीठ चंद्र सरोवर के पीठाधीश्वर पूर्ण प्रकाश कौशिक द्वारा गणेश जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके किया। साथ ही कबड्डी के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथियों ने कहा कि विद्यार्थी जीवन का खेल हमें नैतिकता और संयम की महत्वपूर्ण शिक्षा भी प्रदान करता है। आज के समय में खेल जितना स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, उतना ही खेल का महत्व पढ़ाई में भी है।

खेल महोत्सव के दूसरे दिन बालक एवं बालिका वर्ग में कबड्डी के मैच कराये गये।

जिसमें महिला वर्ग के फाइनल मैच वात्सल्य पब्लिक स्कूल गोवर्धन ने जीता। दीनदयाल इंटर कॉलेज अडींग की टीम उपविजेता रही।

बालिका वर्ग टीम के अन्य मैच कुलदीपक पब्लिक गोवर्धन, रामचन्द्र इंटर कॉलेज, शांतनु बिहारी इंटर कॉलेज, दीनदयाल इंटर, वात्सल्य इंटर कॉलेज व अन्य दर्जनों टीमों के बीच जोरदार कांटे के मुकाबले हुये। आगुंतकों का स्वागत डायरेक्टर नंद किशोर शर्मा एडवोकेट, प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार शर्मा, सचिव श्रीमति मधु शर्मा, सह निदेशक सतीश शर्मा, विपुल शर्मा ने स्मृति चिन्ह देकर किया। रेफरी की भूमिका पीटीआई दिलीप यादव ने निभाई। विधि विभागाध्यक्ष भारत उ प ाध्य ाय एडवोकेट ने सभी का आभार व्यक्त किया।

फतेहपुर में हेल्थ एंड वेलनेस एंबेसडरों को मिला मार्गदर्शक उपकरण

किशोर स्वास्थ्य जागरूकता को स्कूलों में मिलेगी नई दिशा

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। किशोरों के समग्र स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत विकासखंड फतेहपुर में स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष आयोजन किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में कक्षा 6 से 12 तक के हेल्थ एंड वेलनेस एंबेसडरों (एचडब्ल्यूए) को किशोर स्वास्थ्य कुंजी का विमोचन एवं वितरण किया गया।

यह कार्यक्रम सेंटर फॉर नॉलेज एंड डेवलपमेंट (सीकेडी) द्वारा संचालित प्रोजेक्ट उत्थान के अंतर्गत आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य विद्यालय स्तर पर स्वास्थ्य शिक्षा को मजबूत करना है। किशोर स्वास्थ्य कुंजी का संयुक्त रूप से विमोचन खंड शिक्षा अधिकारी तथा सीकेडी के राज्य प्रशिक्षण विशेषज्ञ परितोष द्वारा किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि किशोरावस्था जीवन का सबसे संवेदनशील और निर्णायक चरण होती है। ऐसे में हेल्थ एंड वेलनेस एंबेसडर और शिक्षक यदि सही मार्गदर्शन और प्रमाणिक जानकारी से लैस होंगे, तो वे विद्यार्थियों की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझकर समाधान में सहयोग कर सकेंगे। किशोर स्वास्थ्य कुंजी एक ऐसा संदर्भ उपकरण है, जो स्वास्थ्य, पोषण, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, स्वच्छता, नशामुक्त जीवनशैली और जेंडर समानता जैसे विषयों पर संवाद को सरल और प्रभावी बनाएगा।

प्रक्रिया पर संक्षिप्त उन्मुखीकरण भी दिया

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को किशोर स्वास्थ्य कुंजी की विषय-वस्तु, इसके व्यावहारिक उपयोग और विद्यालयों में इसे लागू करने की प्रक्रिया पर संक्षिप्त उन्मुखीकरण भी दिया गया। साथ ही स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम (एसएचडब्ल्यूपी) मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से रिपोर्टिंग, गतिविधियों के दस्तावेजीकरण और तकनीकी पहलुओं की जानकारी साझा की गई, ताकि कार्यक्रम के प्रभाव का नियमित आकलन किया जा सके।

कार्यक्रम का मुख्य फोकस हेल्थ एंड वेलनेस एंबेसडर एवं शिक्षकों की क्षमता निर्माण पर रहा। विशेषज्ञों ने बताया कि प्रशिक्षित एंबेसडर न केवल छात्रों को सही जानकारी देंगे, बल्कि उनमें स्वस्थ व्यवहार, आत्मविश्वास और जिम्मेदार निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित करेंगे।

ओडीएफ शौचालयों का क्या हश्र?

बनते समय किसी ने कभी न होगा, शौचालय ऐसे होगें

जनचर्चा

विगत पंचवर्षीय में बने मानक विहीन ओडीएफ शौचालय गिरना शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । विगत पंचवर्षीय योजना में ग्राम पंचायतों में बनाए गए ओडीएफ शौचालयों में मानक विहीन सामग्री का प्रयोग किए जाने के चलते गिरना शुरू हो गए इसका दोषी कौन ? जिसका उत्तर शायद किसी के पास नहीं है। सरकार द्वारा चलाई गई लोक कल्याणकारी योजनाओं में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में ओडीएफ शौचायलयों को बनाए जाने का उद्देश्य था कि महिलाओं मां बहनों की इज्जत सुरक्षित रह सके घर के बाहर शौच करने न जाए गंदगी पर अंकुश लग सके परंतु ओडीएफ शौचायलयों के निर्माण में भ्रष्टाचार का दीमक लगने के चलते विगत पंचवर्षीय योजना में बनाए गए शौचालय अब गिरना शुरू हो गए जनपद की अधिकांश ग्राम पंचायतों में इज्जत घरों का ठेकेदारों द्वारा निर्माण कराया गया जिसमें जमकर अनियमिताएं बरती गई कहीं कहीं पर शौचालय में दो टैको की जगह एक टैक बनाया गया तो किसी पर ढक्कन ही नहीं रखा गया शौचालय के अंदर टोटियां नहीं लगी साइड में बनी टंकी पर भी ढक्कन नहीं है छतो का निर्माण सीमेंट के दो पटरो को ढाल करके कर दिया गया जरा सी बरसात होने पर छत से पानी भी टपकने लगता था।

"ग्रामीणों में इस बात की जनचर्चा हैं कि कई बार ग्रामीणों के द्वारा विकासखंड से लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल तक शिकायत की गई जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति करके जिम्मेदार अधिकारियों ने अपना मुंह मोड़ लिया जिसका आलम यह है कि सरकार के द्वारा ग्राम पंचायतों में करोड़ों रुपए की लागत से बनाए गए शौचालय भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए और ग्रामीण आज भी खुले में शौच जाने को मजबूर हैं।

'गृहस्थ जीवन में रहकर भी संभव है ईश्वर भक्ति'

श्रीमद्भागवत कथा में सुबोध कांत जी का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। परिवार के भरण पोषण में जुटा मनुष्य दिन-रात परिश्रम करता है। ऐसे में उसके पास पूजा-पाठ के लिए पर्याप्त समय नहीं बच पाता, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि वह ईश्वर से दूर हो जाए। घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए भी प्रभु का स्मरण किया जा सकता है। जब भी समय मिले, खा-पीकर, विश्राम के क्षणों में भगवान का ध्यान करने से आत्मा को शांति और संतोष प्राप्त होता है। यह बात बुधवार को चित्रकूट से पधारे कथा व्यास सुबोध कांत महराज जी ने दशहरा बाग स्थित रामलीला मैदान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन व्यक्त किए।

कथा वाचक सुबोध कांत जी ने अपने प्रवचन में भक्ति और कर्म के समन्वय पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि केवल संन्यास या एकांत साधना ही भक्ति का मार्ग नहीं है, बल्कि गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी ईश्वर की आराधना की जा सकती है। उन्होंने गोपियों का उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार वे घर-गृहस्थी के सभी कार्य—दूध दुहते हुए, भोजन बनाते हुए, बच्चों और परिवार की देखभाल करते हुए—निरंतर श्रीकृष्ण का स्मरण करती रहती थीं। यही सच्ची भक्ति है, जिसमें कर्म और भक्ति का सुंदर संगम दिखाई देता है। महारास के प्रसंग को विस्तार से समझाते हुए कथा व्यास ने कहा कि रास केवल नृत्य या उत्सव नहीं है, बल्कि जीव और भगवान के शाश्वत और स्थायी मिलन का प्रतीक है। जब जीव अपने अहंकार, मोह और आसक्ति से मुक्त होकर ईश्वर में लीन हो जाता है, वही रास का वास्तविक अर्थ है। यह प्रसंग मानव जीवन को आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रेरणा देता है। कथा के दौरान रुक्मिणी–कृष्ण विवाह का भावपूर्ण वर्णन करते हुए सुबोध कांत जी ने बताया कि रुक्मिणी का अर्थ 'संपत्ति' होता है और संसार की समस्त संपत्ति वास्तव में श्रीहरि की ही है। मनुष्य को इस संपत्ति पर अभिमान नहीं करना चाहिए, बल्कि इसे ईश्वर की कृपा मानकर सदुपयोग करना चाहिए।

पृष्ठ 01 का शेष...

संभल में भड़के ...

आरोप है कि संभल हिंसा के दौरान ASP अनुज चौधरी समेत अन्य पुलिस-कर्मियों ने एक युवक को गोली मार दी थी। विभांशु को सुल्तानपुर में सिविल जज सीनियर डिवीजन के पद पर भेजा गया है। चंदौसी के सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह अब संभल के नए CJM हैं। आदित्य सिंह ने ही संभल के श्री हरिहर मंदिर बनाम शाही जामा मस्जिद दावे पर सर्वे के आदेश दिए थे। आदित्य कुमार सिंह को प्रमोशन दिया गया है।

संभल में नखासा थाना क्षेत्र के मोहल्ला खग्गू सराय अंजुमन निवासी यामीन ने CJM कोर्ट में 6 फरवरी, 2025 को याचिका दायर की थी। यामीन ने बताया- उनका बेटा आलम 24 नवंबर, 2024 को रस्क (टोस्ट) बेचने घर से निकला था। शाही जामा मस्जिद क्षेत्र में पहुंचने पर पुलिस ने उसे गोली मार दी थी।

यामीन ने तत्कालीन सीओ संभल अनुज चौधरी और संभल कोतवाली इंस्पेक्टर अनुज तोमर सहित 12 पुलिस-कर्मियों को आरोपी बनाया था। 9 जनवरी, 2026 को कोर्ट में मामले पर सुनवाई हुई। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सभी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ FIR दर्ज करने के आदेश दिए थे।

यामीन के वकील चौधरी अख्तर हुसैन ने बताया- उनके मुवक्किल के बेटे ने पुलिस से छिपकर अपना इलाज कराया। कोर्ट से पूर्व सीओ अनुज चौधरी और पूर्व इंस्पेक्टर अनुज तोमर सहित अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ FIR की मांग की गई थी।

'विकसित भारत' के...

लोक सभा अध्यक्ष ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित किया। आगामी बजट सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के बारे में सवाल का जवाब देते हुए, लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन में लगातार नियोजित गतिरोध और व्यवधान देश के लोकतंत्र के लिए उचित नहीं हैं। जब सदन में व्यवधान होता है, तो सबसे अधिक नुकसान उस नागरिक का होता है जिसकी समस्या पर चर्चा होनी थी। उन्होंने कहा कि हमें Disruption नहीं, बल्कि Discussion और Dialogue की संस्कृति को सुदृढ़ करना होगा।

उन्होंने सभी दलों के नेताओं व सदस्यों से सदन को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग देने की अपील की तथा कहा कि लोकतंत्र में लोक सर्वोपरि है, और जनता के प्रति हमारी जवाबदेही केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि हर दिन और हर क्षण है। श्री बिरला ने कहा कि पीठासीन अधिकारी केवल कार्यवाही संचालित करने वाले नहीं होते, बल्कि वे संविधान के प्रहरी और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के संरक्षक होते हैं। उनकी निष्पक्षता, संवेद-नशीलता और दृढ़ता ही सदन की दिशा तय करती है।

ग्रीनलैंड चाहिए पर...

अमेरिका इसे हमेशा याद रखेगा। ट्रम्प ने कहा कि यूरोप गलत दिशा में जा रहा है। ट्रम्प ने फ्रांस, कनाडा जैसे देशों की भी आलोचना की। उन्होंने सोमालिया के लोगों के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और कहा कि वे 'कम बुद्धि वाले' और 'समुद्री डाकू' हैं।

कनाडा को अमेरिका से बहुत कुछ मुफ्त में मिलता है। उन्हें इसके लिए अमेरिका का आभारी होना चाहिए, लेकिन वह नहीं है। कनाडा, अमेरिका की वजह से ही टिका हुआ है। कनाडाई पीएम अगली बार बयान देते वक्त यह बात याद रखें। अमेरिकी एक्शन के बाद वेनेजुएला को आगे चलकर बड़ा फायदा होने वाला है। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच 5 करोड़ बैरल तेल को लेकर समझौता हुआ है। अमेरिका अपनी बड़ी तेल कंपनियों को वेनेजुएला में लाएगा। दोनों देश मिलकर तेल से होने वाली कमाई को आपस में शेयर करेंगे।

यूरोप के कई हिस्से अब पहले जैसे नहीं रहे, उन्हें पहचानना भी मुश्किल हो गया है। यूरोप की इमिग्रेशन पॉलिसी और आर्थिक नीतियां नाकाम हो चुकी हैं। आर्थिक मामलों में यूरोप को अमेरिका जैसा बनना चाहिए। यूरोप वही करे जो अमेरिका कर रहा।

मुझे शक है कि जरूरत पड़ने पर NATO अमेरिका की मदद करेगा या नहीं। अमेरिका हमेशा अपने सहयोगी देशों के साथ मजबूती से खड़ा रहता है। मुझे भरोसा नहीं है कि वे अमेरिका के लिए भी वैसा ही करेंगे।

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध की जिम्मेदारी यूरोप की होनी चाहिए। अमेरिका यूक्रेन से बहुत दूर है। अमेरिका ने यूक्रेन को अरबों डॉलर दिए। दुनिया में युद्ध खत्म कराने के लिए मैंने बहुत काम किया।अमेरिका को यह सब करते हुए भारी नुकसान उठाना पड़ा। इसमें बहुत मेहनत और पैसा लगा।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो की तारीफ करते हुए कहा कि वह इतिहास के सबसे बेहतरीन विदेश मंत्रियों में गिने जाएंगे।

ट्रम्प ने कहा कि वे आज दावोस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे।

उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि जेलेंस्की और पुतिन दोनों ही लगभग चार साल से चल रहे युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि वह पुतिन से भी बातचीत कर रहे हैं। ट्रम्प का भाषण खत्म हो गया है।

उनके बोलने के लिए 45 मिनट का टाइम तय था लेकिन उन्होंने करीब 75 मिनट तक भाषण दिया। ट्रम्प अब एंकर के सवालों का जवाब दे रहे हैं।

हमारे अलावा कोई...

इतनी मदद के बावजूद डेनमार्क आज ग्रीनलैंड का कंट्रोल छोड़ने को तैयार नहीं है। डेनमार्क अमेरिका के एहसान को भूल चुका है और इसी वजह से वह उस पर नाराज हैं।

'हां मैं हूं शंकराचार्य'...

उस वक्त कोई भी जिम्मेदार अफसर नोटिस का जवाब लेने के लिए नहीं मिला. जिसके बाद गेट पर ही अनुयायियों ने जवाब चिपका दिए.

स्वामी का पट्टाभिषेक तो 12 अक्टूबर 2022 को ही हो चुका था. जो ऑर्डर सुप्रीम कोर्ट का प्रशासन बता रहा वो 17 अक्टूबर का है. स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का पट्टाभिषेक पहले ही हो चुका था. सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऑर्डर में ही कई जगह शंकराचार्य लिखा है. प्रशासन के अफसरों ने जो नोटिस भेजी है वो सुप्रीम कोर्ट की अवमानना बनता है. क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने 17 अक्टूबर के बाद किसी पट्टाभिषेक पर रोक लगाई है.

बुलडोजर अभियान ...

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन संरचनाओं के हटने से छोटे व्यापारी और गरीब वर्ग का व्यवसाय प्रभावित हुआ है। कई लोगों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने जमीनी हकीकत को समझे बिना बिना पूर्व सूचना के कार्रवाई की, जिससे छोटे व्यापारियों का आर्थिक नुकसान हुआ।

नगर पालिका प्रशासन ने दुकानदारों को दोबारा अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी, लेकिन नुकसान की भरपाई का कोई प्रावधान नहीं किया। व्यापारियों का कहना है कि उनके छोटे व्यवसाय और रोज़गार पर सीधा असर पड़ा है। उन्होंने बताया कि सड़क के किनारे स्थापित छोटे स्टॉल्स और अस्थायी दुकानें ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन हैं।

स्थानीय लोग और दुकानदार इस कार्रवाई को केवल बड़े वाहन और यातायात सुधार के लिए उचित मानने में असमर्थ हैं।

उनका कहना है कि गरीब और छोटे व्यापारियों का जीवन कठिन बना दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन समय रहते सही योजना और मुआवजे के साथ अभियान चलाता, तो नुकसान कम होता।

बांग्लादेश के ...

ICC के ज्यादातर मेंबर्स ने मीटिंग में इस फैसले का समर्थन किया। इसके बाद BCB को सोचने के लिए एक दिन और समय दे दिया। ICC ने यह भी कहा कि सिक्योरिटी असेसमेंट में सामने आया कि बांग्लादेश के प्लेयर्स, मीडियाकर्मी, ऑफिशियल्स और फैंस को भारत में कोई खतरा नहीं है। इसलिए वेन्यू बदलने का सवाल ही नहीं होता।

ईशान किशन नंबर-3 पर खेलेंगे : सूर्या

श्रेयस अय्यर को मौका नहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का पहला टी-20 आज

योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टी20 मैच से पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साफ किया है कि ईशान किशन नंबर तीन पर बल्लेबाजी करेंगे। नागपुर में हुई प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार ने कहा कि ईशान टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की योजना का हिस्सा हैं और घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- टीम मैनेजमेंट को लगता है कि नंबर तीन के लिए ईशान सबसे मजबूत विकल्प हैं और उन्हें मौके मिलने चाहिए। वहीं 25 महीने बाद वापसी कर रहे श्रेयस अय्यर को अभी मौका नहीं मिलेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला बुधवार को नागपुर में खेला जाएगा।

सूर्यकुमार यादव भारतीय टी-20 टीम के कप्तान हैं।

भारत की टी-20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेट-कीपर), श्रेयस अय्यर (पहले तीन टी20), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेट-कीपर), रवि बिश्नोई।

ईशान 4 मैच नंबर-3 पर खेल चुके

टी-20 इंटरनेशनल में ईशान किशन अब तक चार मैच नंबर तीन पर खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 114 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 28.50 रहा है।

ईशान ने मार्च 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 32 टी-20 खेले और 796 रन बनाए। औसत 25.67 रहा और छह अर्धशतक लगाए। उनका आखिरी टी20 मैच नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था।

कोहली के साथ खेलना खास- डफी

न्यूजीलैंड के पेसर जैकब डफी ने विराट कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने को लेकर कहा कि भारतीय फैंस का कोहली के लिए जुनून उन्होंने मैदान पर देखा है, अब उसे ड्रेसिंग रूम के अंदर से देखना खास अनुभव होगा। उन्होंने कहा कि ड्रेसिंग रूम से कोहली को चीयर करना उनके लिए यादगार पल होगा। डफी ने अपने छोटे से कस्बे लम्सडेन से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक के सफर को भी याद किया। उन्होंने कहा कि वहां हालात मुश्किल थे, लेकिन उसी माहौल ने उन्हें मजबूत बनाया।

जैकब डफी न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज हैं।

घरेलू क्रिकेट में ईशान का प्रदर्शन हाल में काफी मजबूत रहा है। वे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 के टॉप रन-स्कोरर रहे। झारखंड की ओर से खेलते हुए उन्होंने 10 मैचों में 517 रन बनाए। औसत 57.44 और स्ट्राइक रेट 197.32 रहा। इस दौरान उन्होंने दो शतक और दो अर्धशतक लगाए और टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

बीसीबी में आर-पार की जंग, बोर्ड ने कहा 'नो'

बांग्लादेशी क्रिकेटर भारत में खेलने को बेताब

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले बीसीबी और आईसीसी के बीच वेन्यू को लेकर टकराव जारी है। जहां एक तरफ बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड इस बात पर अड़ा हुआ है कि सुरक्षा चिंताओं के कारण वह अपनी टीम को भारत में मैच खेलने नहीं भेजेंगे, तो वहीं दूसरी ओर बांग्लादेशी खिलाड़ियों के सब्र का बांध टूटता नजर आ रहा है। बांग्लादेश के स्टार बैटर नजमल हुसैन शांतो ने ये साफ कहा कि बोर्ड की राजनीति अपनी जगह है, लेकिन प्लेयर्स चाहते हैं कि वह टूर्नामेंट में खेलें। दरअसल, 21 जनवरी यानी आज आईसीसी को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ये फैसला बताएगा कि उनकी टीम टूर्नामेंट में खेलेगी की या नहीं। इससे पहले नजमल हुसैन शांतो का बयान सामने आया है, जिसमें बीपीएल मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में

उन्होंने कहा,एक क्रिकेटर के तौर पर हम हमेशा खेलना चाहते हैं। वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट बार-बार नहीं आते। यह हमारे लिए एक बड़ा अवसर है और हम इसे किसी भी कीमत पर गंवाना नहीं चाहते। मीडिया से बात करते हुए शांतो ने कहा कि बांग्लादेश क्रिकेट वेलफेयर एसोसिएशन में इस मुद्दे पर कोई फॉर्मल बातचीत नहीं हुई है, लेकिन उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में खेलना खिलाड़ियों की इच्छा है। शांतो ने कहा, सच कहूं तो इस बारे में बात करने का मौका ही नहीं मिला। हममें से जो लोग CWAB से जुड़े हैं, वे मैचों में बहुत बिजी थे।

विराट कोहली को झटका छिन गया नंबर-1 का ताज

डैरिल मिचेल बने नए 'किंग'

नई दिल्ली। आईसीसी द्वारा जारी की गई ताजा वनडे रैंकिंग्स में बड़ा फेरबदल हुआ है। न्यूजीलैंड के स्टार बैटर डैरिल मिचेल ने विराट कोहली से आईसीसी वनडे बैटर्स रैंकिंग का नंबर-1 का ताज छीन लिया हैं। भारत-न्यूजीलैंड के बीच खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज को कीवी टीम ने 2-1 से अपने नाम किया था।

इस सीरीज जीतने में न्यूजीलैंड के डैरिल मिचेल का अहम योगदान रहा, जिन्होंने राजकोट में 131 रन की नाबाद पारी और इंदौर में खेले गए दूसरे वनडे में 137 रन बनाए थे। इन पारियों का इनाम उन्हें आईसीसी वनडे बैटर्स रैंकिंग में मिला है। डैरिल मिचेल नंबर-1 पर 845 रेटिंग के साथ पहुंच गए हैं, जबकि किंग कोहली दूसरे पायदान पर खिसक गए। कोहली ही नहीं, बल्कि रोहित शर्मा को भी एक स्थान का नुकसान झेलना पड़ा है। दरअसल, भारत

बनाम न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले वनडे मैच के बाद विराट कोहली ने आईसीसी वनडे बैटर्स रैंकिंग में रोहित शर्मा को पछाड़ते हुए नंबर-1 की पोजीशन हासिल की थी, लेकिन वनडे सीरीज खत्म होने के बाद आईसीसी की ताजा रैंकिंग्स में कोहली से नंबर-1 की कुर्सी छिन गई। न्यूजीलैंड के स्टार डैरिल मिचेल ने लगातार दो वनडे मैच में शतकीय पारी खेलकर नंबर-1 का ताज हासिल कर लिया है। 845 रैंकिंग अंक के साथ डैरिल मिचेल ने विराट कोहली को (795 अंक) दूसरे स्थान पर खिसका दिया। ये आईसीसी वनडे रैंकिंग में दूसरी बार हुआ जब डैरिल मिचेल ने नंबर-1 की पोजीशन हासिल की। इससे पहले नवंबर 2025 में वह 3 दिन तक नंबर-1 पर टिके रहे। उनसे बाद में नंबर-1 की कुर्सी को रोहित शर्मा ने बाद में छीन ली थी। आईसीसी वनडे बैटर्स रैंकिंग में मिचेल, कोहली के बाद नंबर-3 पर अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान (764 रेटिंग अंक) और भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा एक स्थान के नुकसान के साथ चौथे पायदान पर 757 रेटिंग के साथ खिसक गए। इतना ही नहीं, भारत के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में 88 गेंद पर 106 रन बनाने वाले ग्लेन फिलिप्स ने 16 स्थानों की छलांग लगाई और वह 20वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

डब्ल्यूपीएल में दिल्ली की दूसरी जीत

मुंबई को 7 विकेट से हराया, कप्तान जेमिमा की फिफ्टी, श्री चरणी को 3 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी

विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) में दिल्ली कैपिटल्स को दूसरी जीत मिल गई। टीम ने वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया। पहले बैटिंग करते हुए मुंबई ने 154 रन बनाए, दिल्ली ने 19 ओवर में टारगेट हासिल कर लिया।

आखिर में संस्कृति गुप्ता ने 10 रन बनाकर सिवर-ब्रंट के साथ टीम को 154 तक पहुंचा दिया। सिवर-ब्रंट 65 रन बनाकर नॉटआउट लौटीं, उन्होंने WPL में 11वीं फिफ्टी लगाई। दिल्ली के लिए स्पिनर श्री चरणी ने 3 विकेट लिए। मारिजान कैप और नंदनी शर्मा को 1-1 विकेट मिला।

155 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को शेफाली वर्मा और लिजेल ली ने मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों ने 7 ओवर में टीम को 60 रन तक पहुंचा दिया। शेफाली 24 गेंद पर 29 रन बनाकर आउट हुईं, उन्हें डेब्यू कर रहीं वैष्णवी शर्मा ने बोल्ड किया। लिजेल भी 46 रन बनाकर 11वें ओवर में आउट हो गईं। उन्हें अमनजोत कौर ने स्टंपिंग कराया।

आखिरी 4 ओवर में 37 रन चाहिए थे। कप्तान जेमिमा ने अगले 2 ओवर में 23 रन बनाकर प्रेशर कम कर दिया। आखिरी 2 ओवर में 14 रन चाहिए थे। जेमिमा ने फिफ्टी लगाई और मारिजान कैप के साथ मिलकर टीम को जीत दिला दी। मुंबई से अमनजोत कौर और वैष्णवी शर्मा को 1-1 विकेट मिला।

खराब शुरुआत के बाद संभली एमआई

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी मुंबई ने 5वें ओवर तक 2 विकेट गंवा दिए। सजीवन सजना 9 और हैली मैथ्यूज 12 ही रन बनाकर आउट हो गईं। टीम पावरप्ले में 23 रन ही बना सकी, जो इस सीजन का सबसे छोटा स्कोर भी रहा।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फिर नैट सिवर-ब्रंट के साथ पारी संभाल ली। दोनों ने फिफ्टी पार्टनरशिप की और 13 ओवर तक टीम का कोई और विकेट नहीं गिरने दिया। 14वें ओवर में फिर हरमन 41 रन बनाकर आउट हुईं। उनके बाद निकोला कैरी 12 और अमनजोत कौर 3 रन बनाकर आउट हो गईं।

मनोरंजन

अल्का याज्ञनिक ने दी गाने को आवाज, मिले 240 मिलियन व्यूज

सात समंदर पार बैठकर इस गाने पर थिरकीं प्रियंका चोपड़ा

धमाल

नई दिल्ली। जब भी पुराने गानों की बात आती है तो फैंस का मन अपने आप चहक उठता है। इन गानों को पसंद करने वालों की फेहरिस्त भी काफी लंबी है, तभी तो देखिए ना अक्सर पुराने गाने सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे हैं और इन दिनों एक पुराने गाने ने इंस्टाग्राम पर आग लगा रखी है। हालांकि ये पुराना गाना इतना भी पुराना नहीं और इस गाने पर प्रियंका चोपड़ा भी थिरकने पर मजबूर हैं। प्रियंका ने इस गाने पर बनी कई रील्स को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म बरसात की को-स्टार बिपाशा बासु को भी टैग किया है तो वहीं बिपाशा ने भी लिखा है कि पहले बेबीज थे और आज हॉट मम्मास हैं। इसके अलावा भी प्रियंका ने कई और स्टोरीज को शेयर किया है। आपको बता दें कि इस गाने को अल्का याज्ञनिक (Alka Yagnik Songs) ने अपनी आवाज दी है, तो वहीं साथ में सुर कैलाश खेर (Kailash Kher) ने भी लगाए हैं। गाने का संगीत नदीम-श्रवण ने तैयार किया तो वहीं इसे लिखा समीर ने। अब ये गाना सोशल मीडिया पर खूब धमाल मचा रहा है।

आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर कुछ ना कुछ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने 2016 के ट्रेंड वाली तस्वीरें भी शेयर की हैं, जिसमें उन्हें पहली बार अवॉर्ड और क्वांटिको में काम करने का मौका मिला था।

अपने ही गाने पर थिरक रहीं प्रियंका चोपड़ा

दरअसल प्रियंका चोपड़ा का गाना तेरी दुल्हन सजाऊंगी इन दिनों इंस्टाग्राम पर बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है। साल 2005 में आई फिल्म बरसात का गाना साजन साजन तेरी दुल्हन सजाऊंगी (Teri Dulhan Sajaoongi Song) इन दिनों इंटरनेट पर खूब ट्रेंड कर रहा है और इंस्टाग्राम रील्स में लोग इस गाने पर जमकर थिरक रहे हैं। गाने में प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) और बिपाशा बासु (Bipasha Basu) नजर आए हैं।

बुलेट ट्रेन की स्पीड से दौड़ी सनी देयोल की फिल्म

रिलीज से पहले किया इतने करोड़ का बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी

साल 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक वॉर ड्रामा 'बॉर्डर 2' की रिलीज को बस अब 2 दिन बाकी है। सनी देओल और वरुण धवन स्टारर इस फिल्म ने सिनेमाघरों में आने से पहले ही कई बड़ी फिल्मों के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। 1997 में रिलीज हुई बॉर्डर के अगले पार्ट की कहानी को मेकर्स 2026 में कैसे आगे बढ़ा रहे हैं, यह देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। बॉर्डर 2 का फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने के लिए फैंस लगातार ऑनलाइन और ऑफलाइन जाकर टिकट बुक कर रहे हैं। एडवांस बुकिंग में बॉर्डर 2 की अब तक कितनी टिकट बिकी और कितने

करोड़ का मूवी का कलेक्शन रिलीज से पहले हुआ, नीचे देखें आंकड़ेः

बॉर्डर 2 की एडवांस बुकिंग 19 जनवरी को खुली थी। 24 घंटे पूरे होने के साथ फिल्म की 53 हजार से अधिक टिकट बिक्री हो गई थी और कलेक्शन 1 लाख 64 करोड़ तक पहुंच गया था। अब दूसरे दिन भी सनी देओल की मूवी की एडवांस बुकिंग कमाई काफी इम्प्रेसिव रही। ये फिल्म रिलीज से पहले ही बुलेट ट्रेन वाली स्पीड पकड़ चुकी है।

धुरंधर 2 में विक्की कौशल की एंट्री !

रिपोर्ट में दावा-एक्सटेंडेड कैमियो में मेजर विहान शेरगिल के रोल में दिखेंगे एक्टर

नई दिल्ली। एक्टर विक्की कौशल फिल्म धुरंधर 2 का हिस्सा बनने जा रहे हैं। वह फिल्म में एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगे। फिल्म में वह डायरेक्टर आदित्य धर की ही फिल्म उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक के अपने रोल मेजर विहान शेरगिल को फिर से निभाते नजर आएंगे। यह दावा मिड-डे की रिपोर्ट में किया गया है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि धर इस फिल्म में कौन-कौन से बड़े सितारे जोड़ रहे हैं, इस पर चुप्पी बनाए हुए हैं। वह 'धुरंधर यूनिवर्स' बनाना चाहते हैं। इसी वजह से उन्होंने अलग समय की कहानी होने के बावजूद उरी की कहानी को फिल्म में जोड़ा है।

हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि विक्की और रणवीर सिंह के किरदार आमने-सामने आएंगे या नहीं। विक्की के कैमियो में कुछ एक्शन सीन भी होंगे। विक्की ने अपने हिस्से की शूटिंग पिछले साल ही कर ली थी।

सूत्र ने कहा कि विक्की, आदित्य धर के पसंदीदा एक्टर्स में से एक हैं और भविष्य में फिल्म के स्पिन-ऑफ की भी प्लानिंग है। उरी के बाद दोनों फिल्म द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा में साथ काम करने वाले थे, लेकिन ज्यादा बजट के कारण वह फिल्म बंद हो गई थी। विक्की कौशल को मेजर विहान के किरदार के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।

19 मार्च को रिलीज होगी धुरंधर 2

धुरंधर 2: द रिवेंज ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर का सीक्वल है और 2026 की सबसे बड़ी फिल्मों में गिनी जा रही है। यह फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी। हाल ही में टीजर को ज्यादा हिंसा के कारण 'A' सर्टिफिकेट मिला है। फिल्म का टीजर 23 जनवरी को रिलीज होने वाली फिल्म बॉर्डर 2 के साथ सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा। वहीं धुरंधर 2 का बॉक्स ऑफिस पर सीधा मुकाबला सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक से होगा, जो इसी दिन रिलीज हो रही है।

अक्षय कुमार ने ली ऑटो ड्राइवर के ट्रीटमेंट की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। अक्षय कुमार के काफिले की एक कार का 19 जनवरी की रात मुंबई के जुहू इलाके में एक्सीडेंट हो गया था। स्पीड से आ रही एक मर्सिडीज कार ने ऑटो रिक्शा को पीछे से टक्कर मारी, जिसकी वजह से चालक ने ड्राइविंग पर अपना नियंत्रण खो दिया और वह सीधा अक्षय कुमार की सिक्योरिटी की कार से जा टकराई।

इस हादसे में ऑटो रिक्शा ड्राइवर घायल हो गया और उसे तुरंत पास अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उनका ट्रीटमेंट चल रहा है। जब ऑटो ड्राइवर को चोट आई थी, तब अक्षय कुमार ने खुद गाड़ी से निकलकर उनको अस्पताल पहुंचाने में मदद की थी। ड्राइवर को अस्पताल पहुंचवाने तक ही अक्षय ने जिम्मेदारी नहीं निभाई, बल्कि ऑटो चालक के ट्रीटमेंट को लेकर लगातार उनकी टीम परिवार से संपर्क में है। इसके अलावा मुंबई पुलिस ने एक्सीडेंट करने वाले शख्स को भी गिरफ्तार कर लिया है।

पुराना सिस्टम अब वापस नहीं आएगा ■ टैरिफ को हथियार बनाने का आरोप लगाया

अमेरिकी दबदबे वाली व्यवस्था का अंत हुआ : कनाडाई पीएम

रणनीति

दावोस, एजेंसी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि अमेरिका के दबदबे वाली वैश्विक व्यवस्था अब खत्म हो चुकी है। उन्होंने मंगलवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में हो रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) में यह बात कही।

उन्होंने कहा, "दुनिया किसी बदलाव की तरफ नहीं, बल्कि टूटने की तरफ आगे बढ़ रही है। अब पुराना सिस्टम लौटने वाला नहीं है।"

कार्नी ने कहा कि नियमों और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के हिसाब से

■ कार्नी ने कहा कि अब यह उम्मीद करना गलत है कि नियमों का पालन करने से सुरक्षा मिल जाएगी।

चलने वाली दुनिया की जो बात की जाती है, वह असल में कभी भी पूरी तरह सच नहीं रही। दुनिया हमेशा से ताकत और अपने-अपने हितों के हिसाब से चली है।

कार्नी ने माना कि पुराने वैश्विक सिस्टम से कनाडा को फायदा हुआ। लेकिन उनके मुताबिक अब यह व्यवस्था टिकाऊ नहीं रह गई है।

कार्नी ने कहा कि विश्व व्यापार संगठन और संयुक्त राष्ट्र जैसी बहुपक्षीय संस्थाएं कमजोर पड़ी हैं। ऐसे में देशों को अब खुद अपनी सुरक्षा, ऊर्जा और खाद्य जरूरतों के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा, "जो देश खुद को खिला नहीं सकता, ऊर्जा नहीं दे सकता और अपनी रक्षा नहीं कर सकता, उसके पास बहुत कम विकल्प होते हैं।"

इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी मंगलवार को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक की संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दुनिया ऐसे दौर की ओर बढ़ रही है, जहां अंतर-राष्ट्रीय कानून कुचले जा रहे हैं और ताकतवर की ही चल रही है। मैक्रों ने कहा कि आज दुनिया अस्थिर होती जा रही है। सुरक्षा के मामले में भी और अर्थव्यवस्था के मामले में भी।

कनाडा के लिए रणनीति बदलना जरूरी

कार्नी ने चेतावनी दी कि अब यह मान लेना गलत है कि सिर्फ पुराने गठबंधन ही सुरक्षा और समृद्धि की गारंटी हैं। उन्होंने कहा, "जब आपसी जुड़ाव ही आपको दूसरे के दबाव में ले आए, तो आप आपसी फायदे के झूठ में नहीं रह सकते।"

कार्नी ने कहा कि कनाडा को उस नीति पर चलना होगा, जो सिद्धांतों पर भी टिकी हो और जमीन पर काम भी करे। इसके तहत घरेलू क्षमताएं मजबूत करने और किसी एक देश पर निर्भरता घटाने के लिए व्यापारिक साझेदारों में विविधता लाने पर जोर दिया।

कार्नी बोले- टैरिफ को हथियार बनाया जा रहा

कार्नी ने कहा कि नई हकीकत यह है कि ताकतवर देश अपने हित साधने के लिए आर्थिक रिश्तों का इस्तेमाल दबाव बनाने में कर रहे हैं।

उनके मुताबिक, टैरिफ को हथियार बनाकर दबाव बनाया जा रहा है, वित्तीय सिस्टम के जरिए देशों को मजबूर किया जा रहा है और सप्लाई चेन की कमजोरियों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

कार्नी ने कहा कि हाल के वर्षों में आए आर्थिक और राजनीतिक संकटों ने यह दिखा दिया है कि जरूरत से ज्यादा वैश्विक निर्भरता किसी भी देश के लिए खतरनाक हो सकती है।

मैक्रों ने कहा कि ऐसी दुनिया खतरनाक है, जहां अंतरराष्ट्रीय कानून की कोई अहमियत नहीं रह जाती। जहां ताकतवर देश जो चाहें करते हैं और कमजोर देशों को मजबूरी में सब सहना पड़ता है।

उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया कि उसकी व्यापार नीतियां यूरोप को कमजोर करने और क्षेत्रीय संप्रभुता के खिलाफ काम करी हैं।

जापान के पूर्व पीएम शिंजो आबे के हत्यारे को आजीवन कारावास

नई दिल्ली, एजेंसी

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या करने वाले व्यक्ति को उम्रकैद की सजा मिली है। जापान की एक अदालत ने बुधवार को आबे की हत्या पर सुनवाई के दौरान आरोपी आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। शिंजो आबे को जापान के सबसे प्रभावशाली राजनेताओं में से एक माना जाता था। 45 वर्षीय तेत्सुया यामागामी ने जुलाई 2022 में पश्चिमी शहर नारा में आबे के चुनावी भाषण के दौरान उनकी हत्या कर दी थी। यामागामी ने आबे के गले में गोली मारी थी, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। इस घटना ने न सिर्फ जापान, बल्कि पूरी दुनिया को झकझोर दिया था।

45 वर्षीय यामागामी ने अक्टूबर में शुरू हुए मुकदमे में हत्या का जुर्म कबूल किया था। नारा जिला अदालत ने बुधवार को यामागामी को दोषी पाया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यामागामी ने कहा कि उसने आबे की

हत्या तब की जब उसने आबे के द्वारा यूनिफिकेशन चर्च से जुड़े एक समूह को भेजा गया वीडियो संदेश देखा था। यामागामी के अनुसार, उसका उद्देश्य उस चर्च को नुकसान पहुंचाना था, जिससे वह नफरत करता था और आबे के साथ उसके संबंधों को उजागर करना था। अभियोजकों ने यामागामी के लिए आजीवन कारावास की मांग की, जबकि उसके वकीलों ने 20 साल से अधिक की सजा न देने का अनुरोध किया था। बता दें कि जापानी कानून हत्या के मामलों में मृत्युदंड का प्रविधान करता है, लेकिन अभियोजक आमतौर पर इसकी मांग तब तक नहीं करते जब तक कि कम से कम दो लोगों की हत्या न हुई हो।

फास्ट न्यूज

चेरनोबिल में फिर खतरा!

नई दिल्ली। यूक्रेन के चेरनोबिल न्यूक्लियर पावर प्लांट में बड़ा संकट आ गया है। दुनिया की सबसे बड़ी नागरिक न्यूक्लियर तबाही का गवाह रहा यह प्लांट मंगलवार सुबह अचानक पूरी तरह बाहरी बिजली से कट गया।

संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निगरानी संगठन आईएईए ने एक्स पर पोस्ट करके इसकी पुष्टि की। रूसी सेना की ओर से बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले हुए हैं। इससे यूक्रेन की कई महत्वपूर्ण बिजली सबस्टेशन्स क्षतिग्रस्त हो गईं।

सिडनी आतंकी हमले के बाद एक्शन मोड में ऑस्ट्रेलियाई सरकार

नई दिल्ली। 14 दिसंबर 2025 को ऑस्ट्रलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले में कई लोगों की जान चली गई थी। बाप-बेटे ने मिलकर अंधाधुंध फायरिंग शुरू की, जिसमें 15 की मौत हो गई और गोली लगने से कई लोग घायल हो गए थे। इस घटना ने पूरे ऑस्ट्रेलिया को झकझोर कर रख दिया था। सिडनी हमले के बाद ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने सख्त कदम उठाया है। संसद में गैर-नफरती भाषण और बंदूक कानून के लिए नया अधिनियम पास हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी इस कदम का स्वागत किया है।

ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होगा यूएई

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के न्योते को स्वीकार कर लिया है। वे 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होंगे। यह बोर्ड गाजा में युद्ध के बाद पुनर्निर्माण और स्थिरता बनाए रखने की देखरेख करेगा।

यूएई विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। यह कदम ट्रंप की 20-सूत्रीय शांति योजना का अहम हिस्सा है।

भारत में एपल पे सर्विस जल्द लॉन्च होगी

मास्टरकार्ड और वीजा के साथ बातचीत शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

एपल भारत में अपनी डिजिटल पेमेंट सर्विस 'एपल पे' लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए कंपनी ने मास्टरकार्ड और वीजा जैसे बड़े कार्ड नेटवर्क के साथ बातचीत शुरू कर दी है।

मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, एपल भारत में जरूरी रेगुलेटरी अप्रूवल लेने की प्रोसेस में है। कंपनी का प्लान इसे साल 2026 तक फेज तरीके से रोलआउट करने का है।

खबरों के मुताबिक, एपल पे के पहले फेज में कंपनी यूपीआई (UPI) के लिए थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर (TPAP) लाइसेंस के लिए आवेदन नहीं करेगी। शुरुआत में एपल का पूरा फोकस कार्ड-बेस्ड कॉन्टैक्टलेस पेमेंट्स पर होगा। यानी आईफोन यूजर्स अपने क्रेडिट या डेबिट कार्ड

को एपल वॉलेट में स्टोर कर सकेंगे और मर्चेंट आउटलेट्स पर सिर्फ फोन टैप करके पेमेंट कर पाएंगे।

एपल पे के आने से यूजर्स को फिजिकल कार्ड साथ रखने की जरूरत नहीं होगी। इसमें 'टैप-टू-पे' तकनीक का इस्तेमाल होता है, जो नियर-फील्ड कम्युनिकेशन (NFC) पर आधारित है।

यूजर्स फेस आईडी या टच आईडी के जरिए पेमेंट को ऑथेंटिकेट कर सकेंगे। इससे पेमेंट प्रोसेस काफी तेज और सुरक्षित हो जाएगा। वर्तमान में भारतीय कार्ड्स को एपल वॉलेट में जोड़ने की सुविधा अवेलेबल नहीं है।

कंपनी बोली- हमारा कोई लेना देना नहीं, सोशल मीडिया पर मजाक बना

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने फर्जी पिज्जा हट का किया उद्घाटन

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक अजीब विवाद में फंस गए हैं। उन्होंने सियालकोट कैंटोनमेंट में पिज्जा हट ब्रांड वाले एक आउटलेट का उद्घाटन किया। लेकिन कुछ ही घंटों बाद पिज्जा हट कंपनी ने इस आउटलेट को फर्जी बता दिया।

सोशल मीडिया पर उद्घाटन की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर साफ किया कि इस आउटलेट से उसका कोई लेना-देना नहीं है। वायरल तस्वीरों और वीडियो में ख्वाजा आसिफ सियालकोट कैंटोनमेंट में बने आउटलेट का फीता काटते नजर आ

■ ख्वाजा आसिफ का फर्जी पिज्जा हट के आउटलेट का फीता काटते हुए वीडियो सामने आया है।

रहे हैं। उन्होंने हाथ में कैंची लेकर कैमरे के सामने पोज भी दिया। दुनिया की मशहूर फूड चेन पिज्जा हट एक अंतरराष्ट्रीय पिज्जा रेस्टोरेंट ब्रांड है। यह ब्रांड पिज्जा, पास्ता और फास्ट फूड आइटम्स के लिए जाना जाता है और दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में इसके आउटलेट हैं।

सोशल मीडिया पर आसिफ मजाक बना

यह मामला सामने आते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लोगों ने इसे लेकर मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, "रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सियालकोट में एक फर्जी पिज्जा हट फ्रेंचाइजी का उद्घाटन किया। ये बेवकूफ बूढ़े लोग हम पर थोपे गए हैं।" एक अन्य यूजर ने मजाक करते हुए लिखा, "जब पिज्जा हट खुद कह दे, यह हमारी स्लाइस नहीं है।"

कंपनी ने यह भी बताया कि उसने अपने ट्रेडमार्क के दुरुपयोग को रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है और इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

कंपनी के मुताबिक, पाकिस्तान में इस समय उसके कुल 16 आधिकारिक आउटलेट हैं। इनमें से 14 लाहौर और दो इस्लामाबाद में हैं।

■ तस्वीर पाकिस्तान के फर्जी पिज्जा हट आउटलेट की है। इसे गुब्बारों के साथ सजाया गया था।

पिज्जा हट ने ब्रांड के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया

पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर कहा कि सियालकोट कैंटोनमेंट में खुला यह रेस्टोरेंटपिज्जा हट के नाम और ब्रांड का गलत इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी ने कहा,यह आउटलेट उससे जुड़ा नहीं है यह पिज्जा हट इंटरनेशनल की रेसिपी, क्वालिटी प्रोटोकॉल, फूड सेफ्टी और ऑपरेशनल स्टैंडर्ड का पालन नहीं करता।

हर एक के लिए नोबेल मिले, इस बार जिसे पुरस्कार मिला, उसे भी पता कि मैं असली हकदार

8 जंग रुकवाई : ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर नाराजगी जताई है। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने अब तक 8 जंग रुकवाई है, उन्हें हर जंग रुकवाने के लिए अलग-अलग नोबेल मिलना चाहिए। ट्रम्प ने कहा- मैं यह बात खुद नहीं कहना चाहता, लेकिन सच यही है। अगर कोई कहता है कि मुझे नोबेल नहीं देने में नॉर्वे का कोई रोल नहीं है तो यह गलत है। नोबेल वही से दिया जाता है। इसका फैसला भी वही करते हैं।

इससे पहले नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनस स्टोर ने सोमवार को कहा था कि नोबेल शांति पुरस्कार देने का फैसला नॉर्वे सरकार नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र नोबेल कमेटी करती है। उन्होंने कहा कि यह बात ट्रम्प को भी पहले समझाई जा चुकी है। ट्रम्प ने

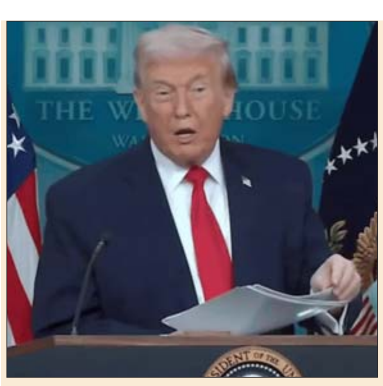

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ट्रम्प की नीतियों ने दुनिया भर में अमेरिका की सालों से बनी अच्छी छवि और भरोसे को नुकसान पहुंचाया है। लोगों ने पोस्टर, पुतले, खास तरह के कपड़े और नारों के जरिए अपना विरोध दर्ज कराया।

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया मचाडो की भी तारीफ की। उन्हें इस बार शांति का नोबेल दिया गया है। ट्रम्प ने कहा कि मचाडो ने मुझे यह प्राइज पेश किया और कहा कि ट्रम्प इसके ज्यादा हकदार हैं। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर अमेरिका के कई शहरों में उनके खिलाफ प्रदर्शन हुए। एक्टिविस्ट और आम लोग उनकी अलग-अलग नीतियों से नाराज दिखे। पिछले एक साल में ट्रम्प प्रशासन को कई फैसलों की वजह से आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। इनमें दूसरे देशों को टैरिफ लगाने की धमकी देना, अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए ICE का खुलकर इस्तेमाल करना और अमेरिका को WTO, UN और NATO जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय संगठनों से दूर करना शामिल है।

ट्रम्प बोले- दुनिया को न्यूक्लियर वॉर से बचाया

ट्रम्प ने यह भी कहा कि उन्होंने 10 महीनों में भारत और पाकिस्तान समेत आठ युद्ध खत्म करवाए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के हालात बेहद गंभीर मोड़ पर थे और हालात परमाणु युद्ध तक जा सकते थे, लेकिन दुनिया एक बड़े यहां तक कि न्यूक्लियर वॉर से बच गई। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों को रुकवाने का दावा करते हुए ट्रम्प ने कहा कि उन्हें हर युद्ध रुकवाने के लिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए था।

अपने दूसरे कार्यकाल के एक साल पूरे होने पर ट्रम्प ने कहा कि उनके फैसलों से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत हुई और दुनिया बड़े युद्धों से बची।

■ तस्वीर में एक शख्स हाथ में तख्तियां लेकर ट्रम्प को आतंकवाद के चेहरे के तौर पर बता रहा है।

भारत - यूरोपीय यूनियन में गणतंत्र दिवस पर ट्रेड एग्रीमेंट संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोपीय कमीशन चीफ उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने मंगलवार को कहा कि भारत और यूरोपीय यूनियन (EU) के बीच ऐतिहासिक व्यापार समझौता होने वाला है। यह फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 200 करोड़ लोगों के लिए नया बाजार बनाएगा, जो वैश्विक GDP के लगभग 25 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगा। उर्सुला ने दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) में इसे मदर ऑफ ऑल डील्स कहा। वह 25 से 27 जनवरी तक भारत दौरे पर रहेंगी और 27 जनवरी को होने वाले भारत-EU समिट में इस समझौते के पूरा होने की घोषणा की जा सकती है। उर्सुला ने कहा-मैं भारत जा रही हूं। अभी कुछ काम बाकी है, लेकिन हम एक ऐतिहासिक समझौते की दहलीज पर हैं। यह डील यूरोप को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे गतिशील देश भारत के साथ व्यापार करने का फर्स्ट-मूवर एडवांटेज (पहला बड़ा मौका) देगी। यह मुक्त

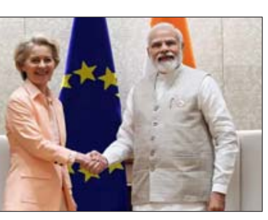

■ **ईयू कमीशन चीफ बोलीं- यह मदर ऑफ ऑल डील्स, ट्रम्प टैरिफ का असर कम करने की तैयारी**

व्यापार समझौता (FTA) दोनों पक्षों के बीच व्यापार को बहुत बढ़ाएगा। EUके साथ ट्रेड 2023-24 में $137.41 बिलियन रहा, इस एग्रीमेंट के बाद दोगुना होने की उम्मीद है। समझौते से सामान और सेवाओं पर टैरिफ कम होंगे, जिससे व्यापार आसान बनेगा। दोनों पक्ष एक रक्षा समझौता और 2026-2030 के लिए रणनीतिक योजना भी घोषित करेंगे। यह समझौता ऐसे समय में हो रहा है जब ट्रम्प की नई टैरिफ नीतियों और व्यापारिक प्रतिबंधों ने वैश्विक सप्लाई चेन में समस्याएं पैदा की हैं।

फैसला : एक घंटे बाद दूसरे प्लेन से स्विट्जरलैंड रवाना हुए, आज शाम ग्रीनलैंड पर भाषण देंगे

ट्रम्प के प्लेन में तकनीकी खराबी रास्ते से यूटर्न लिया

जेनेवा, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का विमान दावोस जाते वक्त टेकऑफ के कुछ देर बाद ही वॉशिंगटन लौट आया। व्हाइट हाउस के मुताबिक, टेकऑफ के बाद क्रू को विमान में एक मामूली इलेक्ट्रिकल खराबी का पता चला था। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, विमान ने न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड के पास अटलांटिक महासागर के ऊपर उड़ान भरने के लगभग एक घंटे बाद वापस मुड़ने का फैसला किया। इसके बाद एयर फोर्स वन रात करीब 9:30 बजे मैरीलैंड में सुरक्षित उतरा।

विमान के उतरने के लगभग एक

■ ट्रम्प के एयरफोर्स वन प्लेन को तकनीकी खराबी के चलते लौटना पड़ा। (फाइल फोटो)

घंटे बाद ट्रम्प दूसरे विमान से डावोस के लिए रवाना हो गए। इस दूसरे विमान को भी एयर फोर्स वन के तौर पर ही इस्तेमाल किया जाता है। ट्रम्प आज स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) में शामिल होंगे और अपनी ग्रीनलैंड पॉलिसी पर भाषण देंगे। डोनाल्ड ट्रम्प अपने साथ अमेरिका की अब तक की सबसे बड़ी टीम लेकर आ रहे हैं, जिसमें पांच कैबिनेट मंत्री शामिल हैं।

ग्रीनलैंड पर अपना एजेंडा बताने दावोस जा रहे ट्रम्प

राष्ट्रपति ट्रम्प दावोस जा रहे हैं। वे ग्रीनलैंड का भविष्य तय करने के एजेंडे के साथ बुधवार शाम करीब 7 बजे दुनिया को संबोधित करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रम्प का यह भाषण ऐसे वक्त पर हो रहा है जब दुनियाभर में राजनीतिक तनाव, व्यापार युद्ध और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे तेजी से गहराते जा रहे हैं। यही वजह है कि दावोस में ट्रम्प की मौजूदगी और उनके हर बयान पर पूरी दुनिया की नजर टिकी हुई है।

डोनाल्ड ट्रम्प WEF में भाषण देने के बाद एक खास उच्चस्तरीय कार्यक्रम की मेजबानी भी करेंगे। इस कार्यक्रम में भारत के 7 बड़े कारोबारी नेताओं को आमंत्रित किया गया है।

दावोस में पहली बार अमेरिका के लिए एक अलग 'USA हाउस' बनाया गया है।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मुताबिक कम से कम 64 देशों के राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख इस बैठक में शामिल होंगे। पाकिस्तान पहली बार दावोस में 'सूफी नाइट' का आयोजन करेगा, जिसमें सिंधु घाटी के पारंपरिक खाने परोसे जाएंगे। इस साल 130 से ज्यादा देशों के 3,000 से ज्यादा प्रतिनिधि बैठक में हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 1,700 से ज्यादा कारोबारी हैं, जिनमें से आधे से ज्यादा CEO या चेयरमैन हैं।

करीब 400 बड़े राजनीतिक नेता भी इस बैठक में मौजूद रहेंगे।

चार दशक पुराने प्लेन का इस्तेमाल कर रहे ट्रम्प

ट्रम्प की आधिकारिक यात्राओं के लिए फिलहाल बोइंग 747-200B का एयर फोर्स वन के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इस बेड़े में ऐसे दो विमान हैं, जो करीब चार दशक पुराने हैं। अमेरिकी विमान निर्माता बोइंग इनके नए विकल्प तैयार कर रहा है, लेकिन इस प्रोजेक्ट में देरी हो रही है।

पिछले साल कतर के शाही परिवार ने ट्रम्प को एक लग्जरी बोइंग 747-8 जंबो जेट दिया था, जिसे एयर फोर्स वन फ्लीट में शामिल किया जाना है। इस फैसले पर काफी सवाल उठे थे। फिलहाल उस विमान को सुरक्षा मानकों के मुताबिक तैयार किया जा रहा है।

ब्रिटेन ने नेपोलियन को हराकर जीता था चागोस आइलैंड

अब मॉरीशस को देने से ट्रम्प नाराज, बेवकूफी बताया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डिएगो गार्सिया आइलैंड को लेकर ब्रिटेन पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन इस द्वीप को मॉरीशस को देने की तैयारी कर रहा है, जबकि यहां अमेरिका का बेहद अहम सैन्य अड्डा मौजूद है। ट्रम्प के मुताबिक बिना किसी ठोस वजह के यह द्वीप देना गलत और बेवकूफी भरा फैसला है।

डिएगो गार्सिया, हिंद महासागर में स्थित चागोस आइलैंड्स का हिस्सा है। ब्रिटेन ने 1814 में नेपोलियन को हराकर चागोस आइलैंड्स पर कब्जा किया था। 1965 में इन्हें मॉरीशस से अलग कर 'ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र' बनाया गया।

1968 में मॉरीशस को आजादी मिली थी। तब तय हुआ था कि जब इन द्वीपों की जरूरत रक्षा के लिए नहीं रहेगी, तो इन्हें मॉरीशस को लौटा दिया जाएगा। बाद में डिएगो

गार्सिया पर अमेरिका और ब्रिटेन का जॉइंट मिलिट्री बेस बनाया गया।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर कहा किहैरानी की बात है कि हमारा शानदार NATO सहयोगी ब्रिटेन इस समय डिएगो गार्सिया द्वीप मॉरीशस को सौंपने की योजना बना रहा है। वो भी बिना किसी कारण के। इसमें कोई शक नहीं है कि चीन और रूस ने इस कमजोरी को भांप लिया है।

उन्होंने आगे लिखा कि ये देश सिर्फ ताकत को समझते हैं और इसी वजह से उनकी लीडरशिप में अमेरिका को एक साल में पहले से कहीं ज्यादा सम्मान मिला है। ट्रम्प ने कहा कि इतना अहम इलाका सौंपना बहुत बड़ी बेवकूफी है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96